3 राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने किया सर्वोदय अस्पताल में... 5 शहीद परिवार को मिलने वाली सम्मान निधि को 50... 7 How does the monsoon cause an increase in...

राष्ट्रीय सरोकारों से परिपूर्ण समाचार पत्र

मासिक समाचार पत्र

अतुल्य लोकतंत्र

Postal REGN. : L-2/Faridabad/330/2022-24

Email : atulyaloktantra09@gmail.com

विपक्ष के पास प्रदेश स्तर का भी संगठन नहीं हमारे पास बूथ प्रमुख से लेकर पन्ना प्रमुख तक है: ओमप्रकाश धनखड़

Page-08

वर्ष : 08 | अंक : 05 | फरीदाबाद, जुलाई , 2023 | संपादक : दीपक कुमार शर्मा | RNI NO. HARBIL/2016/74676 | Mob.: 9899222656, 8527791656 | मूल्य : 15 रुपए | पृष्ठ : 8

कुदरत का स्पष्ट संदेश है : प्रकृति से सामंजस्य बनाकर रहो या फिर अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहो

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

मानसून सीजन की बारिश के प्रचंड प्रकोप के चलते जगह-जगह नदी-नाले जबरदस्त उफान पर हैं। झील, तालाब, पोखर आदि बरसाती पानी से लबालब हो गये हैं। जबरदस्त जलभराव व मलबे की मार के चलते गली मोहल्लों की सड़कें व रिहायशी इलाके तक भी जानलेवा नालों में बदल गये हैं। जिसके चलते ही देश के विभिन्न राज्यों से पिछले कुछ दिनों से लोगों के जान-माल की तबाही की झकझोर देने वाली तस्वीरें आ रही हैं। शासन-प्रशासन सिस्टम कुदरत की मार के आगे बेबस व लाचार होकर के पूरी तरह से नतमस्तक नज़र आ रहा है। लोगों को जल प्रलय के बीच से सुरक्षित निकाल करके तत्काल राहत देना बेहद दुष्कर कार्य साबित होता जा रहा है। कुदरत की मार से प्रभावित हुए लोगों के लिए बिजली, पानी, भोजन, चिकित्सा व सर ढंकने के लिए एक सुरक्षित स्थान उपलब्ध करवाना सिस्टम के लिए चुनौती बनता जा रहा है। जिसके चलते ही उत्तर भारत के बहुत सारे इलाकों के लोग बाढ़ जैसे हालातों में रहने के लिए मजबूर हो गये हैं। कभी भीषण गर्मी के प्रकोप को झेल रहा उत्तर भारत मानसून का बहुत ही बेसब्री

से इंतज़ार कर रहा था, लोगों को उम्मीद थी कि मानसून उनको राहत देगा, लेकिन मानसून के सीजन में जब बारिश को लोगों को प्रचंड गर्मी से राहत देनी थी, उस वक्त लोगों के लिए बारिश एक बहुत बड़ी आफ़त बन गयी। जल प्रलय से जगह-जगह नदी-नालों में हो रहे भारी उफान ने जलभराव, जबरदस्त भू कटाव व मलबे ने बड़ी आफ़त देने का कार्य कर दिया। पिछले कई दिनों से देश के विभिन्न हिस्सों में बादलों की प्रचंड गर्जना के साथ पहाड़ से लेकर मैदान तक हर तरफ कुदरत की मार के चलते भयंकर तबाही का मंजर बन गया है, जिसने लोगों को बेघर करते हुए 19 लोगों के अनमोल जीवन को लीलने का दुखद कार्य कर दिया है। देश की राजधानी दिल्ली से लेकर के जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड आदि राज्यों में इस बार जुलाई माह में अपेक्षाकृत ज्यादा हो रही बारिश ने लोगों का जीना-बेहाल करके रखा दिया है। हालांकि केन्द्र व राज्य सरकार प्रभावित लोगों को राहत देने के लिए निरंतर प्रयास कर रही हैं, लेकिन भारी तबाही के चलते वह प्रयास फिलहाल तो ऊंट के मूंह में जीरा साबित हो रहे हैं। बारिश के चलते हुई भारी तबाही नित-नयी दर्दनाक पिक्चर लेकर सामने आ रही है, बारिश की मार से अब तो लोगों को भारी जान-माल की क्षति उठानी पड़ रही है। लोग सरकार व एक दूसरे के सहयोग से इस आपदा को मात देने में लगे हुए हैं। भारी बारिश के चलते व डैम से अधिक पानी छोड़े जाने के चलते राजधानी दिल्ली पर वर्ष 1978 की तरह बाढ़ आने का खतरा मंडराने लगा है, यमुना नदी लगातार खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्यों में नदियां व बरसाती नाले अपने जबरदस्त उफान पर हैं, जो भी कुछ उनकी राह में बाधक बन रहा है वह तिनके की तरह उसको बहाकर ले जाने पर आमादा हैं, पहाड़ों पर भू-कटाव, भू-धंसाव, दरकते पहाड़, भूस्खलन, पत्थरों के बड़े-बड़े बोल्डर व मलबा लोगों के जान माल के दुश्मन बन गये हैं। वहीं मैदानी इलाकों की बात करें तो दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान आदि राज्यों में आबादी के इलाकों में भी पानी भर गया है जिसमें कहीं सड़क धंस गई है, तो कहीं भवनों की दीवार गिरने के चलते लोगों को जान-माल का नुक़सान उठाना पड़ रहा है, वहीं भीड़-भाड़ वाले इलाकों में तो भीषण जाम के झाम ने लोगों, जानवरों व अन्य जीव-जंतुओं तक का जीना मुहाल कर दिया है। इस वर्ष जुलाई माह में हुई रिकॉर्ड तोड़ बारिश बार-बार अमरनाथ, चार धाम व कांवड़ यात्रा में व्यवधान उत्पन्न करने का कार्य कर रही है, इन धार्मिक यात्रियों को सुरक्षित यात्रा करवाकर घर पहुंचाने की चुनौती से केन्द्र व राज्य सरकारें निरंतर जूझ रही हैं। मौसम के माध्यम से वर्षों बाद एक बार फिर से प्रकृति ने धरावासियों को यह स्पष्ट संदेश दे दिया है कि या तो प्रकृति के साथ सामंजस्य करके जीना सीख लो या फिर आने वाले समय में हर वर्ष भारी जान-माल की तबाही के लिए तैयार रहो।

भाजपा जजपा गठबंधन टूटना तय!

दोनों दल लोकसभा की दसों सीटों पर चुनाव लड़ने का बार बार कर रहे ऐलान

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

हरियाणा की गठबंधन सरकार में सांझेदार भाजपा और जजपा के बीच रण कई महीनों से एक यक्ष प्रश्न दोनों के बीच खड़ हुआ है कि इनका गठबंधन चुनाव में कायम रहेगा या पहले ही टूट जाएगा। इसका सटीक जवाब अभी कर कोई भी दल देना नहीं चाह रहा है जबकि भाजपा आलाकमान को पार्टी संगठन ने अपनी रिपोर्ट दे दी है। जानकार बताते हैं कि रिपोर्ट में भाजपा की हरियाणा इकाई ने अपने दम पर चुनाव लड़ने बारे कहा है। मुख्यमंत्री खट्टर तथा पार्टी के मुखिया ओम प्रकाश धनखड़ के बयान गठबंधन तोड़ने के स्पष्ट संकेत देते हैं तो दूसरी और जजपा नेताओं के बोल भी बिगड़े हुए लगते हैं। इस पर दोनों दलों ने गठबंधन का भविष्य भाजपा आलाकमान और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर छोड़ा हुआ है। . कशमश के इन हालातों में भाजपा- जजपा नेता चुनावी तैयारियों में जुटे हुए हैं। दोनों दल लोकसभा की सभी 10 सीटों पर अपने प्रत्याशी खड़े करने का दम भर रहे हैं। भाजपा संगठन और सरकार के स्तर पर चुनाव लिए लगी हुई है। जजपा के संस्थापक अजय चौटाला भी प्रचार मैदान में हैं। चर्चाकारों का कहना है कि गठबंधन टूटने से कमोवेशी झटका तो दोनों दलों को लगेगा। क्योंकि 2 बार की सरकार

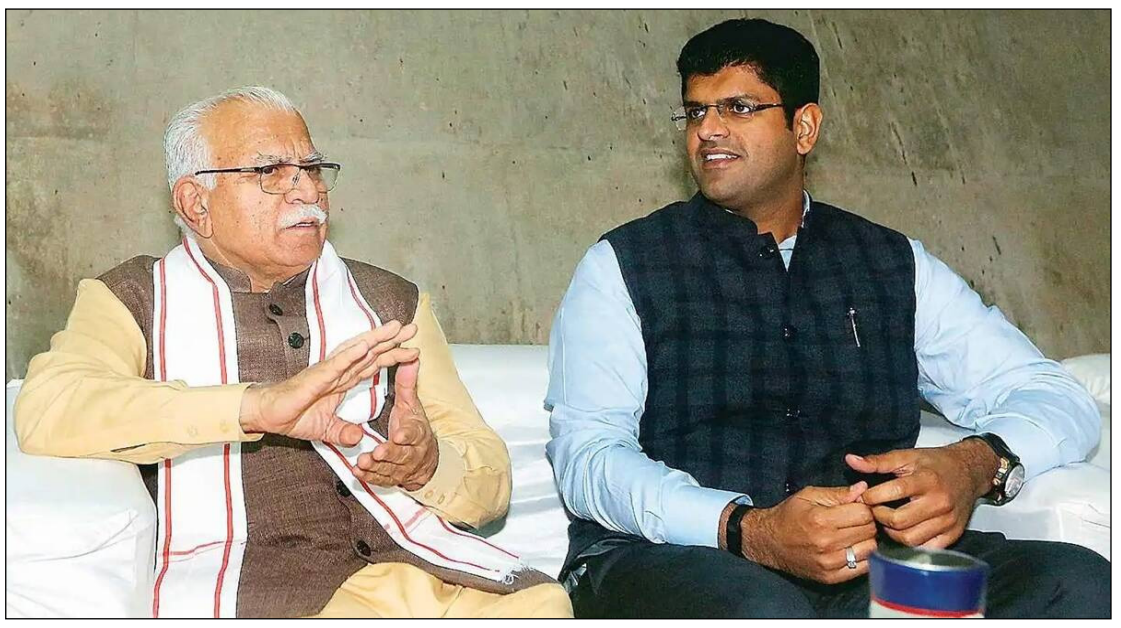

के बाद भी भाजपा गांवों में अपना जनाधार बढ़ा नहीं पाई है तो जजपा शहरों में कमजोर है। कुछ समय पहले तो लगने लगा था गठबंधन कभी भी टूट सकता है। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने निर्दलीय विधायकों के साथ बैठकें भी करनी शुरू कर दी थीं। भाजपा प्रदेश प्रभारी बिप्लब देव ने सभी निर्दलीय विधायकों से दिल्ली में बैठक की परन्तु फिर बात का रुख एकदम से बदल गया। भाजपा को न जाने ऐसा क्यों लगा कि अभी गठबंधन तोड़ने का सही समय नहीं है। कहा भाजपा और जजपा का नेतृत्व तोड़ने के लिए मानसिक रूप से तैयार है। मुख्यमंत्री के जनसंवाद कार्यक्रमों से जजपा कार्यकर्ताओं ने उचित दूरी बनाए रखी थी, तो जजपा के किसी भी कार्यक्रम में भाजपा के कार्यकर्ता या पदाधिकारी नहीं जाते। अब अगर हम 2019 के चुनाव में वोटों की बात करें तो भाजपा ने कुल 40 सीटें लेकर 36.44 प्रतिशत वोट हासिल किए थे तो जजपा को 10 सीटें लेकर 14.80 प्रतिशत वोट मिले थे। अब अगर दोनों दल मिलकर चुनाव लड़ते हैं तो इनके पास 51.29 प्रतिशत वोट होगा। इस चुनाव में कांग्रेस को 31 सीटें मिली थीं और 14.80 प्रतिशत वोट मिले थे। इस प्रकार वोटों का समीकरण मिलकर चुनाव लड़ने मैं गठबंधन के पक्ष में जाता है। चर्चाकारों का कहना है कि चुनाव आंकड़े के आधार पर नहीं लड़ा जाता। क्योंकि चुनाव के समय कई तरह के समीकरण काम करते हैं जो जीत और हार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं अब यही थ्योरी भाजपा जजपा गठबंधन पर भी लागू होती है दोनों दलों के लिए चुनावी समीकरण आए दिन बदल रहे हैं लेकिन राजनीति में दखल रखने वालों का कहना है कि आने वाला लोकसभा चुनाव भाजपा जजपा दोनों अपने स्तर पर लड़ेंगे बीजेपी हरियाणा की 10 लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों का सर्वे करवा रही है। और जीत की रणनीति बनाने में लगी हुई है तो दूसरी ओर जजपा भी दसों सीटों पर चुनाव लड़ने का दावा जाता रही है। अब भाजपा इस स्थिति में है कि लोकसभा में पर्याप्त बहुमत के लिए कुछ भी करने को तैयार है तो जजपा के दिग्विजय चौटाला अपने पिता एवं पार्टी के संस्थापक डॉ अजय चौटाला के भिवानी से चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुके हैं। जबकि भिवानी लोकसभा क्षेत्र से भाजपा का प्रत्याशी रेडमैन धर्मवीर सिंह दो बार चुनाव जीत चुके हैं । ऐसे सभी हालातो को मद्देनजर गठबंधन का टूटना तय माना जा रहा है।

खेल के क्षेत्र में लैंगिक हिंसा व प्रताड़ना से निपटने के लिए नीति बनाने की जरूरत

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

आमतौर पर कोई महिला अगर अपनी पसंद के खेल के मैदान में पहुंच पाती है तो इसके लिए उसे समाज में मौजूद पूर्वाग्रहों, भेदभाव और कई स्तरों पर मौजूद चुनौतियों की दीवार को पार करना पड़ता है। खेलों को महिला सशक्तीकरण का एक बेहतर जरिया भी माना जाता है। लेकिन इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि अपनी प्रतिभा से समाज और देश के लिए उपलब्धियां हासिल करने हौसला रखने वाली महिलाओं को भी खेलों के आयोजन से जुड़े तंत्र में कई बार लैंगिक भेदभाव, हिंसा, शोषण और प्रताड़ना का सामना करना पड़ता है। मुश्किल यह है कि इस तरह के आपराधिक बर्ताव का शिकार होने वाली महिलाओं के सामने कोई ऐसा संवेदनशील तंत्र नहीं होता, जहां वे अपनी शिकायत दर्ज करा सकें और उस पर उतनी ही सजगता से कार्रवाई भी हो। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश न्यायमूर्ति हिमा कोहली ने खेल के क्षेत्र में लैंगिक दुर्व्यवहार से निपटने के लिए एक मजबूत तंत्र की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने खेलों के जरिए महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत सुधार की बात करते हुए कहा कि खेल के क्षेत्र में लैंगिक हिंसा, भेदभाव और

प्रताड़ना से निपटने के लिए तंत्र स्थापित करने के मकसद से नीतियां बनाई जानी चाहिए। अपने सपनों को नई ऊंचाई देने का हौसला लेकर कोई महिला किसी खेल में राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित कई चरणों को पार करने के बाद ही किसी खेल प्रतियोगिता में अपनी जगह बना पाती है। मगर अफसोसनाक है कि खेलों की दुनिया के भीतर मौजूद विषमता, महिलाओं के प्रतिनिधित्व का अभाव और तंत्र में असंतुलन की वजह से उनके साथ दुर्व्यवहार होता है और इसका नकारात्मक असर उनके समूचे व्यक्तित्व पर पड़ता है। सवाल है कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलों के आयोजन से जुड़े तंत्र में अब तक ऐसी व्यवस्था क्यों नहीं बनाई जा सकी है, जो महिला खिलाड़ियों के खिलाफ भेदभाव, शोषण और प्रताड़ना जैसे मसलों पर उनके लिए संवेदनशील रुख अख्तियार करे, ताकि किसी भी स्तर पर खेल में उनकी क्षमता और हौसले पर नकारात्मक प्रभाव न पड़े!

यूपी में योगीराज में थर-थर काँप रहा माफिया, गरीबों के आये अच्छे दिन

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मफियाओं के खिलाफ बड़े अभियान चलाये जा रहे हैं, उनके अवैध कब्ज़े से सरकारी तथा गैर सरकारी भूमि मुक्त हो रही है, इस मुक्त भूमि पर आवास बनाकर गरीबों को दिए जा रहे हैं, अपना घर मिलने पर इन गरीबों की आंखों में खुशीके आंसू हैं और होठों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए प्रशंसा और प्रार्थना। प्रयागराज के लूकरगंज में 1731 वर्गमीटर की नजूल की जमीन माफिया अतीक के कब्जे में थी जिसकी कीमत लगभग दस करोड़ रुपये थी, इस ज़मीन को 13 सितंबर 2020 को अतीक के अवैध कब्ज़े से मुक्त कराया गया था, वर्ष 2021 में 26 सितंबर को मुख्यमंत्री ने यहाँ गरीबों के आवासीय फ्लैट्स की आधारशिला रखी और मात्र 18 माह में यह आवासीय योजना पूरी हो गयी जिस पर 5.68 करोड़ रुपये खर्च हुए। आवासीय योजना 1731 वर्गमीटर में विकसित की गयी और जिसमें दो ब्लॉक बने। गरीबों को दिए गए यह फ्लैट दिये गये हैं सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त हैं साथ ही इनको बनाने में वास्तु का भी ध्यान रखा गया है। आवास प्राप्त करने वाले वह गरीब हैं जिन्होंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि अपना घर बना पायेंगे। लाभार्थियों को आवास की चाभी देने के समारोह के अवसर पर मुख्यमंत्री ने एक बार फिर माफियाओं को कड़ी चेतावनी दी और कहा कि पहले की सत्ता माफिया के साथ खड़ी रहती थी जबकि हम गरीबों के साथ खड़े है। योगी ने कहा

● योगी के कार्यों से आज ऐसे फेक नेरेटिव चलाने वाले सपा, बसपा, कांग्रेस सहित तमाम दलों के पैरों तले जमीन खिसक रही है। आज बहन मायावती जी कह रही हैं कि पसमांदा मुसलमान तो उनका ही वोटर है किंतु वह यह नहीं बता पा रही हैं कि उन्होंने पसमांदा मुसलमानों के लिए क्या किया है। यही हाल तुष्टीकरण की राजनीति करने वाली सपा का है जिसने मुसलमानों के नाम पर गुंडई राज कायम कर दिया था और माफियाओं के हाथ में सत्ता सौंपी थी। आज प्रदेश में माफियाओं पर जो कार्यवाही हो रही है उससे इन दलों में घबराहट, बेचैनी और छटपटाहट भी है।

कि 2017 से पहले गुंडे माफिया किसी की भी जमीन पर कब्जा कर लेते थे। अब ऐसा नहीं है। ये सुशासन की शुरुआत है। माफिया अतीक अहमद से मुक्त करायी गयी जमीन पर बने आवास प्राप्त करने वाले लाभार्थियों के चेहरे पर जो प्रसन्नता थी वही प्रसन्नता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चेहरे पर भी थी। मुख्यमंत्री में जनसभा को संबोधित करते हुए ही सभी अधिकारियों को निर्देश जारी किया कि प्रदेश के सभी विकास प्राधिकरण माफिया से छुड़ाई गई भूमि पर गरीबों के लिए आवास बनाएं। साथ ही जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में गरीबों को उनके आवास की चाबी सौपें। इससे लोगों में सरकार के प्रति नया विश्वास जन्म लेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत किसी को भी आवास नहीं मिल पाया थ किंतु अब तक 54 लाख से ज्यादा गरीबों को आवास मिल गया है। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार प्रदेश में माफियाओं के कब्ज़े से भूमि को छुड़ाने का अभियान लगातार चल रहा है और अब तक 66,575.75 हेक्टेयर से अधिक भूमि मुक्त करायी जा चुकी है। प्रयागराज में गरीबों को आवास की चाबी सौंपने के पहले लखनऊ के पिपरसंड इलाके में एक बड़ी भूमि भू माफिया से मुक्त करयी गयी थी जिस पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक अगस्त 2021 को यूपी स्टेट इंस्टीटयूट आफ फोरेंसिक साइंसेज की नींव रखी थी। दो हजार करेड़ रुपये की लागत से यह इंस्टीटयूट बनकर खड़ा हो चुका है। उत्तर प्रदेश के स्पेशल डीजी प्रशांत कुमार का कहना है कि अब तक माफिया व उनके गिरोह के सक्रिय सदस्यों से 3516 करोड़ रूपये से अधिक की संपत्तियां जब्त, ध्वस्त व कब्जा मुक्त कराई जा चुकी हैं और यह अभियान अनवरत जारी है। यद्यपि माफिया अतीक के मारे जाने पर प्रदेश के तमाम विरोधी दल एक फेक नैरेटिव चला रहे थे कि प्रदेश में मुसलमानों पर अत्याचार किया जा रहा है तथापि इसकी वास्तविकता प्रयागराज में दिखाई दी जहां पर बिना किसी भेदभाव पात्रता के आधार पर मुस्लिम महिलाओं को भी आवास मिला है।

यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

किसी भी हादसे का सबक यह होना चाहिए कि नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि अपने गंतव्य के लिए निकले लोगों के सामने जान गंवाने की नौबत न आए। मगर ऐसा लगता है कि हमारे यहां हादसों को लेकर सड़क प्रबंधन से जुड़े महकमे और निजी इकाइयों से लेकर आम लोगों के बीच भी कोई सजगता नहीं है, जबकि एक पल की चूक या लापरवाही की वजह से नाहक ही कइयों की जान चली जाती है। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार को हुआ हादसा इसका प्रमाण है कि ऐसी लगातार त्रासद घटनाओं के सामने आते रहने के बावजूद कोई भी सबक लेने को तैयार नहीं है। गौरतलब है कि इस एक्सप्रेस-वे पर एक स्कूल बस उल्टी दिशा से आ रही थी और उससे तेज रफ्तार में अपने रास्ते जा रही एक कार की सीधी टक्कर हो गई। इसमें छह लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। गनीमत रही कि हादसे के वक्त बस में स्कूली बच्चे सवार नहीं थे। वरना कल्पना की जा सकती है कि इस घटना के बाद क्या हालत होती। इसमें कोई संदेह नहीं कि एक्सप्रेस-वे जैसी सड़क पर उल्टी दिशा से आने वाली बस का ड्राइवर इसके लिए साफतौर पर जिम्मेदार है। लेकिन इस हादसे का जो स्वरूप सामने आया, वह एक्सप्रेस-वे पर सफर के प्रबंधन से जुड़े सभी लोगों की बहुस्तरीय लापरवाही का एक शर्मनाक उदाहरण है। सवाल है कि किसी भी वजह से स्कूल बस का ड्राइवर उल्टी दिशा से कैसे प्रवेश कर गया और कई किलोमीटर तक निर्बाध चलता रहा? दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे का प्रबंधन किसके पास है और ऐसी स्थिति में किसी वाहन को तत्काल रोकने और उस पर कार्रवाई

की क्या व्यवस्था है? हैरानी की बात है कि इस तरह की सड़कों पर रफ्तार की वजह से कुछ खास वाहनों के इस पर चलने को सीमित या प्रतिबंधित किया गया है। लेकिन क्या बाकी गाड़ियों के तय सीमा में चलने को लेकर कोई ठोस व्यवस्था है? सड़क पर हर जगह सीसीटीवी की व्यवस्था तो कर दी गई है, लेकिन उसमें निर्धारित गति से ज्यादा तेज या अपनी लेन में नहीं चलने वाले वाहनों को रोकने या नियंत्रित करने की क्या कोई व्यवस्था है? ऐसे लंबे मार्गों पर इसके प्रबंधन से जुड़े विभाग या किसी संबंधित कंपनी की ओर से अचानक उपजी परिस्थिति या हादसे की हालत में सहायता के लिए क्या इंतजाम किए जाते हैं? दरअसल, एक्सप्रेस-वे को सड़क से लेकर घेरेबंदी आदि हर स्तर पर इस स्वरूप में बनाया जाता है कि उस पर आवाजाही को न केवल निर्बाध और तेज रफ्तार बनाया जा सके, बल्कि नियमों के अनुकूल सुरक्षित सफर भी सुनिश्चित किया जा सके। लेकिन हकीकत यह है कि देश भर के एक्सप्रेस-वे पर केवल तेज रफ्तार की वजह से हर साल लगातार हादसे सामने आते रहते हैं और उनमें सैकड़ों लोगों की नाहक ही जान चली जाती है। केवल अच्छी और तेज रफ्तार निर्बाध सड़कें ही सहज यातायात के लिए जरूरी नहीं हैं, बल्कि किसी भी वाहन चालक के लिए सबसे पहले उस पर चलने का सलीका सीखने या उचित प्रशिक्षण की जरूरत है। अगर किसी वाहन चालक से कोई लापरवाही होती है, तो उसे तत्काल रोकने के लिए एक ठोस और सक्रिय तंत्र होना चाहिए। उचित लेन में सफर, गति की सीमा, वाहन के टायर-इंजन से लेकर हर स्तर पर पूरी तरह दुरुस्त होने जैसे कुछ प्राथमिक नियमों का पालन करके ऐसी गलतियों से बचा जा सकता है, जो किसी बड़े हादसे या त्रासदी की वजह बन जाती हैं।

आपदा से सबक नहीं लेती हैं सरकारें

● दिल्ली सरकार ने 2011 में आईआईटी दिल्ली को एक ड्रेनेज सिस्टम का मास्टर प्लान बनाने को कहा था। सात साल के बाद 2018 में आईआईटी ने मास्टर प्लान दिया था और 2021 में उसे लागू किया गया लेकिन तत्काल ही रोक दिया गया क्योंकि उससे दिल्ली की समस्या का समाधान नहीं हो रहा था। बाद में 2022 में दिल्ली सरकार ने एक कॉम्प्रिहेंसिव ड्रेनेज मास्टर प्लान का टेंडर निकाला लेकिन उस पर कोई अच्छा रिस्पांस नहीं मिला है। सोचें, राष्ट्रीय राजधानी की यह स्थिति है कि पिछले 12 साल से ड्रेनेज सिस्टम का मास्टर प्लान बन रहा है? यही स्थिति गुरुग्राम से लेकर समूचे एनसीआर की है। सो, पहाड़ी राज्यों से लेकर मैदानी राज्यों तक और महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक हर साल मॉनसून के सीजन में कोई न कोई प्राकृतिक आपदा आ रही है।

देश में भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन से तबाही मची है। उत्तर भारत के सात राज्यों में 48 घंटे के भीतर 56 लोगों की मौत हो गई। सैकड़ों घर टूटे हैं, गाड़ियां नदियों में बह गई हैं और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब की नदियां उफान पर हैं और राजधानी दिल्ली में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। दिल्ली में बारिश का 41 साल का रिकॉर्ड टूटा है तो हिमाचल प्रदेश में 52 साल का रिकॉर्ड टूटा है। देश में मॉनसून के पूरे सीजन में जितनी बारिश होनी चाहिए उससे अधिक बारिश अभी तक हो चुकी। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कई जगह बादल फटे हैं और भूस्खलन की घटना हुई है। देश के पहाड़ी और ग्रामीण इलाकों के साथ साथ राजधानी दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के शहरों- गुरुग्राम, फरीदाबाद, नोएडा, गाजियाबाद आदि में भी त्राहिमाम की स्थिति है। मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में बारिश की वजह से इतना पानी जमा हो गया कि स्कूल बंद करने पड़े और लोगों से घर से ही काम करने को कहना पड़ा। भारत के सिलिकॉन वैली यानी बेंगलुरू में भारी बारिश से लोगों का जन-जीवन अस्त-व्यस्त हुआ। सवाल है कि ऐसा क्यों हो रहा है? जिससे भी यह सवाल पूछा जाता है उसका जवाब होता है कि जलवायु परिवर्तन की वजह से इंसान मौसम का यह अतिरेक झेलने को अभिशप्त है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि जलवायु परिवर्तन ने मौसम का पूरा चक्र बदल दिया है। अत्यधिक बारिश, अत्यधिक सर्दी और अत्यधिक गरमी अब सामान्य बात हो गई है। जलवायु परिवर्तन की घटना इतनी तेजी से हो रही है कि वैज्ञानिकों के सारे अनुमान फेल हो रहे हैं। वैज्ञानिक इस दशक के अंत तक वैश्विक तापमान 17 डिग्री पहुंचने का अनुमान लगा रहे थे। लेकिन पिछले सोमवार यानी तीन जुलाई को वैश्विक तापमान औसतन 17 डिग्री से ऊपर चला गया। यह अभी रूकने वाला नहीं है। जैसे जैसे धरती गर्म होगी वैसे वैसे ग्लेशियर पिघलेंगे, समुद्र का स्तर बढ़ेगा और उसी अनुपात में सर्दी, गर्मी और बारिश बढ़ती जाएगी। तत्काल इसे रोकना इंसान के वश में नहीं दिख रहा है। इसके बावजूद मौसम के अतिरेक से पैदा होने वाली आपदा से निपटने के बेहतर उपाय किए जा सकते हैं। उससे जान-माल का नुकसान कम से कम हो यह सुनिश्चित किया जा सकता है। लेकिन अफसोस की बात है कि भारत में सरकारें हर साल आने वाली आपदा से कोई सबक नहीं सीखती हैं। पिछले कोई दो दशक

में शायद ही कोई साल होगा, जब मॉनसून के सीजन में देश के किसी न किसी हिस्से में कोई बड़ी प्राकृतिक आपदा नहीं आई होगी। 26 जुलाई 2005 का मुंबई का जल प्रलय पिछले दो दशक की सबसे बड़ी प्राकृतिक आपदाओं में से एक है। दो दिन में भयंकर बारिश से देश की पूरी वित्तीय राजधानी अस्त-व्यस्त हो गई थी। मुंबई सहित महाराष्ट्र के कई हिस्से भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित हुए थे और कोई 11 सौ लोग मारे गए थे। इससे ठीक एक महीने पहले जून के महीने में समूचा गुजरात भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित हुआ था। इसके तीन साल बाद बिहार के कोशी में भयंकर बाढ़ आई थी, जिसमें ढाई सौ से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और लाखों लोग बेघर हुए थे। करीब तीन लाख घर नष्ट हुए थे और साढ़े आठ लाख एकड़ में लगी फसल नष्ट हुई थी। ऐसे ही जून 2013 में उत्तराखंड के केदारनाथ में आई बाढ़ इस सदी की सबसे बड़ी प्राकृतिक आपदाओं में से एक है, जिसमें छह हजार के करीब लोग मारे गए थे और साढ़े चार हजार गांव तबाह हुए थे। सैकड़ों लोग बाढ़ में बह गए, जिनके शव का पता नहीं चला। मुंबई, कोशी और केदारनाथ ये तीन पिछले दो दशक की प्रतीक घटनाएं हैं, जिनकी स्मृतियां अब भी जीवित हैं। इसके अलावा हर साल देश के किसी न किसी हिस्से में मॉनसून के समय अत्यधिक बारिश, बाढ़ और भूस्खलन की बड़ी घटनाएं होती हैं लेकिन ऐसा लगता है कि उसे मौसमी बीमारी की तरह की एक बीमारी मान कर जल्दी ही भुला दिया जाता है। लंबे समय में ऐसी घटनाओं के दोहराव की संभावना को देखते हुए बचाव के स्थायी उपाय नहीं किए जाते हैं। भारत में सरकारें और आपदा से निपटने वाली संस्थाएं घरेलू और वैश्विक घटनाओं से कोई सबक नहीं लेती हैं। जापान की मिसाल सबके सामने है, जहां आए दिन भूकंप और सुनामी की घटनाएं होती हैं। लेकिन बड़े से बड़े भूकंप में भी वहां जान-माल का नुकसान न्यूनतम होता है और जन-जीवन सामान्य रूप से चलता रहता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि प्रकृति को समझते हुए वहां के शासकों ने बुनियादी ढांचे का ऐसा निर्माण किया है, जिसमें न्यूनतम नुकसान की संभावना रहे। भारत में इसका उलटा होता है। भारत में प्राकृतिक आपदा की आशंका वाले क्षेत्र में भी अंधाधुंध निर्माण होता है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में इतनी पनबिजली की परियोजनाएं लगी हैं, दवा की इतनी फैक्टरियां बनी हैं और पर्यटकों के लिए इतने रिसॉर्ट व होटल बने हैं कि समूचा पहाड़ खोखला हो गया है। जरा सी बारिश या बादल फटने की घटना होते ही पहाड़ दरकने लगते हैं। यह सिर्फ दो राज्यों की परिघटना नहीं है। हर पहाड़ी राज्य में विकास के नाम पर अंधाधुंध जंगल और पहाड़ काटे जा रहे हैं, जिसका खामियाजा हर साल आम लोगों को भुगतना पड़ता है। जहां तक महानगरों और बड़े शहरों की बात है तो वहां दो कारणों से हर साल बारिश में बाढ़ के हालात बनते हैं और मॉनसून की बारिश लोगों के लिए आफत लेकर आती है। सबसे पहला कारण तो यह है कि महानगरों और शहरों को बेतरतीब तरीके से बढ़ने दिया गया है। अंधाधुंध शहरीकरण हुआ है और चारों तरफ कंक्रीट के जंगल उग आए हैं। अवैध निर्माण बड़ी संख्या में हुआ है, जिससे इमारतें कमजोर हुई हैं और बारिश में उनके गिरने का खतरा बढ़ गया है। दूसरा कारण यह है कि किसी भी महानगर या बड़े-छोटे शहर में पानी के निकासी की अच्छी व्यवस्था नहीं हुई है। हर शहर पर आबादी का बोझ बढ़ा है और ड्रेनेज या सीवेज का सिस्टम वहीं पुराना है। शहरों के बीच या बगल से बहने वाली नदियां गाद से भरी हुई हैं। उनका तल ऊंचा हो गया है, जिससे जरा सी बारिश होते ही नदियां उफनने लगती हैं। राजधानी दिल्ली के बीचों बीच बहने वाली यमुना की सफाई पर बरसों से काम हो रहा है, लेकिन पांच फीसदी भी यमुना साफ नहीं हुई है। दिल्ली सरकार ने 2011 में आईआईटी दिल्ली को एक ड्रेनेज सिस्टम का मास्टर प्लान बनाने को कहा था। सात साल के बाद 2018 में आईआईटी ने मास्टर प्लान दिया था और 2021 में उसे लागू किया गया लेकिन तत्काल ही रोक दिया गया क्योंकि उससे दिल्ली की समस्या का समाधान नहीं हो रहा था। बाद में 2022 में दिल्ली सरकार ने एक कॉम्प्रिहेंसिव ड्रेनेज मास्टर प्लान का टेंडर निकाला लेकिन उस पर कोई अच्छा रिस्पांस नहीं मिला है। सोचें, राष्ट्रीय राजधानी की यह स्थिति है कि पिछले 12 साल से ड्रेनेज सिस्टम का मास्टर प्लान बन रहा है? यही स्थिति गुरुग्राम से लेकर समूचे एनसीआर की है। सो, पहाड़ी राज्यों से लेकर मैदानी राज्यों तक और महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक हर साल मॉनसून के सीजन में कोई न कोई प्राकृतिक आपदा आ रही है। इसे प्रकृति की चेतावनी समझना चाहिए और किसी बड़े खतरे से निपटने की तैयारी करनी चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से सरकारें और आपदा प्रबंधन करने वाली एजेंसियां हर काम तात्कालिकता में करती हैं। वे लंबे समय की योजना नहीं बनाती हैं। यही कारण है कि बारिश होते ही जन-जीवन ठप्प हो जाता है। सड़क परिवहन से लेकर ट्रेन और विमानन सेवाएं स्थगित हो जाती हैं। कहीं लोग बाढ़ में बह जाते हैं, कहीं उनके घर गिर जाते हैं, कहीं जल-जमाव में गाड़ी फंस जाती हैं, कहीं करंट लगने से लोग मरते हैं तो कहीं बिजली गिरने से लोगों की मौत होती है। यह सही है कि प्राकृतिक आपदा को रोका नहीं जा सकता है लेकिन आपदा से सबक लेकर उससे होने वाले नुकसान को न्यूनतम करने के उपाय जरूर किए जा सकते हैं।

संपादकीय

खेल के क्षेत्र में लैंगिक हिंसा व प्रताड़ना

आमतौर पर कोई महिला अगर अपनी पसंद के खेल के मैदान में पहुंच पाती है तो इसके लिए उसे समाज में मौजूद पूर्वाग्रहों, भेदभाव और कई स्तरों पर मौजूद चुनौतियों की दीवार को पार करना पड़ता है। खेलों को महिला सशक्तीकरण का एक बेहतर जरिया भी माना जाता है। लेकिन इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि अपनी प्रतिभा से समाज और देश के लिए उपलब्धियां हासिल करने हौसला रखने वाली महिलाओं को भी खेलों के आयोजन से जुड़े तंत्र में कई बार लैंगिक भेदभाव, हिंसा, शोषण और प्रताड़ना का सामना करना पड़ता है। मुश्किल यह है कि इस तरह के आपराधिक बर्ताव का शिकार होने वाली महिलाओं के सामने कोई ऐसा संवेदनशील तंत्र नहीं होता, जहां वे अपनी शिकायत दर्ज करा सकें और उस पर उतनी ही सजगता से कार्रवाई भी हो। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश न्यायमूर्ति

दीपक कुमार शर्मा

हिमा कोहली ने खेल के क्षेत्र में लैंगिक दुर्व्यवहार से निपटने के लिए एक मजबूत तंत्र की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने खेलों के जरिए महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत सुधार की बात करते हुए कहा कि खेल के क्षेत्र में लैंगिक हिंसा, भेदभाव और प्रताड़ना से निपटने के लिए तंत्र स्थापित करने के मकसद से नीतियां बनाई जानी चाहिए। अपने सपनों को नई ऊंचाई देने का हौसला लेकर कोई महिला किसी खेल में राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित कई चरणों को पार करने के बाद ही किसी खेल प्रतियोगिता में अपनी जगह बना पाती है। मगर अफसोसनाक है कि खेलों की दुनिया के भीतर मौजूद विषमता, महिलाओं के प्रतिनिधित्व का अभाव और तंत्र में असंतुलन की वजह से उनके साथ दुर्व्यवहार होता है और इसका नकारात्मक असर उनके समूचे व्यक्तित्व पर पड़ता है। सवाल है कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलों के आयोजन से जुड़े तंत्र में अब तक ऐसी व्यवस्था क्यों नहीं बनाई जा सकी है, जो महिला खिलाड़ियों के खिलाफ भेदभाव, शोषण और प्रताड़ना जैसे मसलों पर उनके लिए संवेदनशील रुख अख्तियार करे, ताकि किसी भी स्तर पर खेल में उनकी क्षमता और हौसले पर नकारात्मक प्रभाव न पड़े! पिछले कुछ महीनों में राष्ट्रीय पर सुर्खियों में आए महिला पहलवानों के उत्पीड़न और शोषण के मुद्दे ने यही साबित किया कि खेलों की दुनिया में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह बनाने और पदक जीत कर देश का नाम रोशन करने वाली खिलाड़ियों को भी ऐसे शर्मनाक हालात से गुजरना पड़ता है। सवाल है कि खेल संगठनों के तंत्र में बैठे किसी व्यक्ति के भीतर ऐसा सुरक्षाबोध कहां से आता है कि वह महिला खिलाड़ी के साथ मनमानी हरकत करेगा और उस पर कोई आंच नहीं आएगी? जाहिर है, इस तंत्र में अब तक महिलाओं की शिकायतों पर संवेदनशीलता से विचार करने और ठोस कार्रवाई करने के लिए ऐसा कोई अनुकूल तंत्र नहीं रहा है।

यूक्रेन की नाटो में एंट्रीः हां या ना?

नाटो देशों के शासक लिथुआनिया की राजधानी विल्नुस में जुटना शुरू हो गए हैं। उनकी शिखर बैठक 11 जुलाई से शुरू हो रही है। दो दिन की बैठक में कई अहम फैसले लिए जाने हैं, जिनका पूरी दुनिया पर असर पड़ेगा। बैठक में इस सैनिक जमावड़े में नए सदस्य शामिल करने पर भी विचार होगा। स्वीडन लंबे समय से नाटो का दरवाजा खटखटा रहा है। इस बैठक का पूरी दुनिया पर इसलिए असर पड़ेगा क्योंकि इसमें यूक्रेन के बारे में कई फैसले लिए जाने हैं। यूक्रेन को नाटो में शामिल किया जाए या नहीं और यह भी कि क्या यूक्रेन को कई प्रतिबंधित हथियार देने का अमेरिका का निर्णय उचित है। ये वे हथियार हैं, जिन्हें अमेरिका के मित्र देश, कीव को नहीं देना चाहते। जाहिर है कि इन मसलों पर जो भी निर्णय लिया जाएगा वह युद्ध के भविष्य पर असर डालेगा। इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि इस बैठक में यह तय होगा कि अपने 31 सदस्य देशों की रक्षा करने और वैश्विक भू-राजनीतिक व्यवस्था को आकार देने के अपने सबसे अहम उद्देश्यों के बारे में नाटो एकमत है या नहीं। नए देशों को नाटो की सदस्यता देने और यूक्रेन को सैनिक सहायता उपलब्ध करवाने के मुद्दे पर नाटो के सदस्य देशों में मतभेद हैं, यह तो जगजाहिर है ही। अमेरिका और जर्मनी यूक्रेन को नाटो की सदस्यता दिए जाने के इच्छुक नहीं हैं तो ब्रिटेन और फ्रांस उसके पक्ष में मुहिम चला रहे हैं। तुर्की चाहता है कि यूक्रेन नाटो में शामिल हो परंतु स्वीडन नहीं। यूक्रेन ने विल्नुस में इकठ्ठा नेताओं को अपनी इच्छा बता दी है। यूक्रेन की फरमाईश है कि उसे सदस्य बनने के लिए बाकायदा आमंत्रित किया जाए। हालांकि यूक्रेन को भी पता है कि उसकी यह इच्छा पूरी होना काफी मुश्किल है। यहां यह साफ कर देना जरूरी है कि यूक्रेन तुरंत नाटो की सदस्यता नहीं चाहता। वहां के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की भी मानते हैं कि यूक्रेन को युद्ध खत्म होने के बाद ही नाटो में शामिल होना चाहिए। वे नहीं चाहते कि नाटो संधि की धारा पांच के अंतर्गत अन्य देश भी इस युद्ध में शामिल होने पर मजबूर हो जाएं। यूक्रेन चाहता केवल यह है कि उसे न्योता मिल जाए ताकि कथित ÷रणनीतिक अस्पष्टता÷ समाप्त हो सके। यह ÷अस्पष्टता÷ सन 2008 में रोमानिया के बुखारेस्ट में हुई नाटो शिखर बैठक से जारी है। उस समय नाटो ने यह तय किया था कि यूक्रेन को सदस्य बनाया जाएगा परंतु कब और कैसे यह नहीं बताया गया था। यूक्रेन की मंजिल तय थी परंतु सफर पर किस दिन निकलना है यह तय नहीं था। इस कारण यूक्रेन बुरी तरह फंस गया और अंततः पुतिन ने उस पर चढ़ाई कर दी। अब अगर यूक्रेन को न्योता भी नहीं मिलता तो उसे पुतिन की जीत समझा जाएगा। इससे ऐसा भी लगेगा कि पुतिन नाटो के विस्तार को वीटो कर सकते हैं। इससे यह संदेश भी जाएगा कि

दूसरे देशों से युद्ध छेड़ने और पराई भूमि पर कब्जा करने की उनकी नीति काम करती है। इस टालमटोल व अनिश्चितता ने बाल्टिक देशों को और सशंकित कर दिया है। फिर चीन का मसला तो है ही। ताइवान भी एक सिरदर्द है। यूक्रेन पर रूसी हमले और रूस और चीन की गहरी होती दोस्ती के चलते कई एक्सपर्ट्स और टिप्पणीकार यूक्रेन और ताइवान को एक-दूसरे से जोड़ने लगे हैं। हालांकि वे इस बारे में साफ नहीं हैं कि दोनों में से किसे ज्यादा महत्व दिया जाना चाहिए और यह भी कि वे किस प्रकार एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। कुछ ज्ञानियों का मानना है कि अमेरिका को यूक्रेन की बजाय ताइवान को ज्यादा अहमियत देनी चाहिए और यूक्रेन को मदद सीमित कर, ताइवान पर फोकस करना चाहिए। दूसरी ओर, अन्य पंडितों का कहना है कि यूक्रेन को साथ इसलिए किया जाना चाहिए क्योंकि अगर ऐसा नहीं किया गया तो चीन की हिम्मत बढ़ जाएगी और उसे लगने लगेगा कि वह ताइवान को निगल सकता है। यह विशेषकर अमेरिका के बारे में सही है क्योंकि फरवरी 2022 के पहले तक वह यूक्रेन की बजाय ताइवान के बचाव में ज्यादा खड़ा दिखता था। इसमें कोई शक नहीं कि नाटो शिखर बैठक महत्वपूर्ण होगी। अमेरिका में अगले साल चुनाव हैं और यह डर है कि डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर सत्ता में आ सकते हैं। अगर ऐसा हुआ तो अमेरिकी विदेश नीति का पेंडुलम उलटी दिशा में खिसक जाएगा। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि रूस और यूक्रेन के युद्ध ने यह भी साबित कर दिया है कि यूरोप के देश अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिका पर निर्भर हैं। अमेरिका में चुनाव से यह तो तय होगा ही कि वो यूक्रेन को समर्थन देना जारी रखेगा या नहीं। साथ ही नवंबर 2024 में यह भी तय हो जाएगा कि खुद नाटो का भविष्य क्या होगा और अटलांटिक के दोनों छोरों के देशों में हिंद प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा संबंधी चुनौतियों से निपटने पर एकमत बन पाएगा या नहीं। शिखर बैठक में कई निर्णायक फैसले किए जाने हैं। इस हफ्ते, विल्नुस पर दुनिया की नजर होगी।

इरादा बुलंद है, लेकिन

इतिहास यह है कि मुद्रा की ताकत संबंधित देश की अंदरूनी अर्थव्यवस्था की ताकत से तय होती है। इसीलिए अगर भारत को अपने इरादे को सच में बदलना है, तो उसे पहले इस मामले में सशक्त होने के लिए काम करना चाहिए। इस खबर से स्वाभाविक हलचल मची कि कच्चा तेल खरीदने के बदले कई भारतीय कंपनियां रूस को चीन की मुद्रा युवान में भुगतान कर रही हैं। बाद में एक मीडिया रिपोर्ट में यह आंकड़ा सामने आया कि कम से कम ऐसा दस प्रतिशत भुगतान युवान में हुआ है। इस तरह भारत भी इस समय दुनिया में चल रही मौद्रिक हलचल के बीच चीनी मुद्रा को मजबूत करने में सहायक बन गया है। इसी बीच भारतीय रिजर्व बैंक ने यह खबर फिर से उछाली भारत ने अनेक देशों के साथ अपनी मुद्राओं में भुगतान करने का करार कर लिया है और इसके लिए जरूरी बैंकिंग सिस्टम भी बना लिया गया है। उधर विदेश मंत्री एस जयशंकर से पिछले दिनों जब ब्रिक्स की प्रस्तावित अपनी करेंसी के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने इसकी संभावना से सिरे से इनकार करते हुए कहा कि भारत का इरादा अपने रुपये को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा बनाने का है। कहा जा सकता है कि यह इरादा प्रशंसनीय है और भारत अगर भविष्य में महाशक्ति बनना चाहता है, उसे ऐसी महत्त्वाकांक्षा अवश्य रखनी चाहिए। मगर फिलहाल हकीकत इस महत्त्वाकांक्षा से मेल नहीं खाती। 20 से ज्यादा देशों के साथ आपसी मुद्रा में लेन-देन का करार कई महीने पहले हो चुका था। लेकिन उसमें असल में लेन-देन रूस और श्रीलंका के साथ ही शुरू हो सकी और अब संभावना है कि ऐसा बांग्लादेश के साथ होगा। इसी बीच रूस ने रुपये में भुगतान लेना रोक दिया। इस तर्क पर भारत से आयात के बदले भुगतान करने के बाद भी उसके पास जो भारतीय रुपया जमा हो रहा है, उसका कोई उपयोग नहीं है। यह मुद्दा देर-सबेर अधिकांश देशों की तरफ से उठाया जाएगा। कारण यह है कि वैश्विक निर्यात में भारत का हिस्सा सिर्फ दो प्रतिशत है। इतिहास यह है कि मुद्रा की

ताकत संबंधित देश की अंदरूनी अर्थव्यवस्था की ताकत- और खासकर निर्यात क्षमता से तय होती है। इसीलिए अगर भारत को अपने इरादे को सच में बदलना है, तो उसे पहले इन क्षमताओं को बढ़ाने के लिए काम करना चाहिए। जड़ मजबूत ना हो, तो फुनगी पर फूल लगाने की कोशिश कामयाब नहीं होती है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक दीपक कुमार शर्मा द्वारा जॉय प्रिंटर्स प्लॉट नं 3जी -142, एनआईटी फरीदाबाद से मुद्रित एवं 903 सैक्टर-8, फरीदाबाद 121006 (हरियाणा) से प्रकाशित।
संपादक- दीपक कुमार शर्मा
RNI No. HARBIL/2016/74676
Mob. 8527791656, 9899222656,

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने किया सर्वोदय अस्पताल में उन्नत पैथोलॉजी और लैब सर्विसेज विभाग लॉन्च

अतुल्य लोकतंत्र/दीपक कुमार शर्मा

फरीदाबाद। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने स्थानीय सेक्टर -8 में सर्वोदय हॉस्पिटल में शहर का सबसे उन्नत पैथोलॉजी और लैब सर्विसेज विभाग लॉन्च किया। टेक्नोलॉजी और डायग्नोसिस में एडवांसमेंट के साथ यह लैब ह्वक्रु-मान्यता प्राप्त है। लैब के उद्घाटन अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय के साथ डीसी विक्रम सिंह, डीसीपी बल्लभगढ़ राजेश दुग्गल, एसडीएम बल्लबगढ़ त्रिलोक चंद, सर्वोदय अस्पताल के चेयरमैन डॉ. राकेश गुप्ता, मैनेजिंग डायरेक्टर, सर्वोदय हेल्थकेयर श्रीमती अंशू गुप्ता और डॉ. दीपिका परवान, एचओडी और सीनियर कंसलटेंट, पैथोलॉजी एवं लैब सर्विसेज की विशेष उपस्थिति रही। श्री बंडारू दत्तात्रेय ने सर्वोदय हॉस्पिटल की सराहना करते हुए कहा कि इस लैब से पहले कुछ विशेष जांचों के लिए मरीजों को दिल्ली में बने हॉस्पिटल्स की लैब का रुख करना पड़ता था। परन्तु अब मुझे विश्वास है कि यह उन्नत लैब निस्संदेह सटीक और समय पर निदान को सक्षम करके स्वास्थ्य देखभाल में महत्वपूर्ण बदलाव लाएगी। राज्यपाल बण्डारू दत्तात्रेय ने चिकित्सा प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने और मरीज की देखभाल में सुधार करने के लिए सर्वोदय हॉस्पिटल की अटूट प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा कि यह अत्याधुनिक लैब एक नया मापदंड स्थापित करती है और मुझे भरोसा है कि यह निश्चित रूप से हरियाणा के स्वास्थ्य सेवा में सुधार करेगी। उन्होंने कहा कि स्वच्छ मन और स्वस्थ शरीर में परमात्मा का वास होता है। इसलिए प्रत्येक मनुष्य को अपने स्वास्थ्य के प्रति सदैव सचेत और सजग रहना चाहिए। मुझे इस बात की न केवल आत्मिक खुशी है बल्कि गर्व भी है कि इस दायित्व को मेरे देश व प्रदेश के सभी चिकित्सक एवं स्वास्थ्य कर्मी बहुत ही बेहतरीन ढंग से अपना फर्ज निभाते हुए मानवता की सेवा कर रहे है। राज्यपाल हरियाणा श्री बंडारू दत्तात्रेय ने आपसी संवाद के दौरान कहा कि हमारे समाज में डॉक्टर्स को सृष्टि के रचयिता के बाद भगवान का ही स्वरूप समझा जाता है क्योकि डॉक्टर्स ही गंभीर से गंभीर बीमारी से ग्रस्त मनुष्य का बेहतरीन से बेहतरीन इलाज करके न केवल उन्हें स्वास्थ्य लाभ बल्कि नया जीवन भी प्रदान करते है, जोकि महान पुण्य का कार्य है। मै मानवता से परिपूर्ण उनके नेक कार्यों की सराहना करता हूँ और मुझे पूर्ण विश्वास है कि डॉ राकेश गुप्ता और उनकी पूरी टीम भी इसी प्रकार से अपना दायित्व निभाती रहेगी। सर्वोदय हेल्थ केयर के चेयरमैन डॉ. राकेश गुप्ता ने राज्यपाल हरियाणा को बताया कि ÷सर्वोदय हेल्थकेयर में हम हमेशा लोगों के लिए सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं लाने का प्रयास करते हैं। लैब सर्विसेज में अत्याधुनिक तकनीक और बहु-विषयक एप्रोच से हम मरीज की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप सटीक निदान और प्रभावी उपचार प्रदान कर सकेंगे। हमारे डॉक्टरों और तकनीशियनों की अनुभवी टीम के साथ, हम स्वास्थ्य देखभाल की सीमाओं को आगे बढ़ाते हुए चिकित्सा प्रगति में योगदान देना चाहते हैं। हमारा प्रयास है कि हम उन्नत स्वास्थ्य देखभाल के इस नए युग को अपनाकर स्वस्थ और समृद्ध समुदाय के निर्माण की दिशा में काम करते रहे। उन्होंने कहा कि सर्वोदय हॉस्पिटल के परिसर में स्थित, यह एडवांस्ड लैब सबसे उन्नत मेडिकल उपकरणों के साथ अत्यधिक कुशल हिस्टोपैथोलॉजिस्ट, माइक्रोबायोलॉजिस्ट, हेमेटोलॉजिस्ट, पैथोलॉजिस्ट और अन्य डॉक्टरों से सुसज्जित है और रूटीन से लेकर दुर्लभतम बीमारियों के निदान और जांच को सटीक एवं तेजी से करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहेगी। डॉ. दीपिका ने कहा, यह क्षेत्र की पहली ऐसी लैब होगी जो एक साथ अनेक मेडिकल सेवाओं को देने में सक्षम है। जिसमें मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक, पैथोलॉजी, इम्यूनो केमिस्ट्री जैसे क्षेत्र शामिल हैं। यह लैब 24 × 7 घंटे फंक्शनल रहती है और सुझाए गए समय के अंदर ही समय पर रिपोर्ट प्रदान करने की सुविधाओं से सुसज्जित है।

ट्राइंफ हुंडई फ़रीदाबाद में हुंडई की माइक्रो एसयूवी एक्स्ट्र कार हुई लॉन्च

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। स्थितट्राइंफ हुंडई कार शोरूम पर भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राज्य के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा के बड़े भाई टिप्पर चंद्र द्वारा हुंडई की नई माइक्रो एसयूवी एक्स्ट्र का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने उन्होंने नई गाड़ी की खूब सराहना की और शोरुम के मालिकों और प्रबंधकों, स्टाफ सदस्यों को बधाई देते हुए बताया कि कार जनता को पसंद आएगी। कंपनी के सेल्स मैनेजर आनंद कोठारी ने पत्रकारों को बताया कि हुंडई की यह नई कार एक्स्ट्र नए फीचर्स के साथ मार्केट में आई है इसका सीधा मुकाबला टाटा की पंच से रहेगा।उन्होंने बताया कि यह कार मध्यमवर्गीय ग्राहकों को ध्यान में रखकर बनाई गई है एक्स्ट्रा का बेस मॉडल 5.99 लाख से शुरू होकर टॉप मॉडल 9.33 लाख तक है । नई कार में एअर बैग,कंट्रोल 8 इंच का एचडी टचस्क्रीन ऑटो एप्पल कारप्ले ढेरों में 3 लीटर प्रवेश में पेट्रोल सीएनजी वेरिएंट भी उपलब्ध है। इस अवसर पर कंपनी के एम डी अभिषेक गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर पार्षद दीपक यादव ,अशोक शर्मा, प्रियम ,कंपनी के सेल्स हेड, रमन झा एचआर मैनेजर ,वीर सिंह जी व अन्य स्टाफ मौजूद रहा। शोरूम में मौजूद ग्राहकों को ने भी नई कार की तारीफ की और इस कार को वैल्यू फॉर मनी बताया।

तंजानिया में चल रहे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की अहम भागीदारी

फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम, कौशल शिक्षा और उद्योग के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में भूमिका निभाएगा श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय तंजानिया में चल रहे डीआईटीएफ में भागीदारी कर रहा है। इस अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में हरियाणा की ओर से विश्वविद्यालय का एक प्रदर्श आयोजित किया गया है। इसके माध्यम से कौशल शिक्षा और उद्योग जगत के विभिन्न आयामों पर दुनिया भर से आए उद्योगों के साथ संवाद कायम किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के डीन इंटरनेशनल कोलेब्रेशन प्रो. निर्मल सिंह और मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग की संयुक्त निदेशक अंबिका पटियाल छह जुलाई से इस मेले में मौजूद हैं और 13 जुलाई तक वहां स्किल एजुकेशन और इंडस्ट्री कोलेब्रेशन के विविध आयामों पर संवाद कर रहे हैं। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राज नेहरू ने बताया कि यह अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला तकनीक, कौशल और उद्योग के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण इवेंट है। इसमें श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की भागीदारी अपने आप में मायने रखती है। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने बताया कि इसके माध्यम से विश्वविद्यालय को अंतरराष्ट्रीय फलक पर संभावनाएं तलाशने में काफी मदद मिलेगी। प्रो. निर्मल सिंह ने तंजानिया से बताया कि संकाय विकास कार्यक्रम और पाठ्यक्रम विकास के लिए विश्वविद्यालय के पास इस अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में भरपूर अवसर हैं। क्रॉस कंट्री स्किलिंग के साथ-साथ स्टूडेंट्स एक्सचेंज जैसे कई पहलुओं के लिहाज से यह एक अच्छा मंच है। उन्होंने बताया कि डीआईटीएफ पूर्वी अफ्रीका में सबसे प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेलों में से एक है, जो सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शकों को अपने उत्पादों का प्रदर्शन करने और अपने उपभोक्ताओं के साथ जुड़ने के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करता है। यह अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला पूर्वी अफ्रीकी देशों बुरुंडी, डीआर कांगो, केन्या, रवांडा, दक्षिणी सूडान और युगांडा में व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है। इसके अलावा, तंजानिया में 300 मिलियन उपभोक्ताओं के बाजार के साथ 15 एसएडीसी सदस्य देशों के साथ एक मुक्त व्यापार क्षेत्र है।

भारतीयता में ही आत्मीयता है: श्री सुनील शर्मा

गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में डीएवी शताब्दी महाविद्यालय में किया गया गुरुओं का सम्मान

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। डीएवी शताब्दी महाविद्यालय फरीदाबाद के प्रांगण में भारतीय शिक्षण मंडल के सहयोग से व्यास पूजा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आधुनिक समय में छात्रों में गुरुओं के प्रति सम्मान एवं आदर का भाव विकसित करने के उद्देश्य से गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर महर्षि वेदव्यास के पूजन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भारतीय शिक्षण मंडल से अखिल भारतीय संयुक्त महामंत्री श्री सुनील शर्मा जी ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार रखे। उन्होंने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से छात्रों को प्राचीन काल में परिलक्षित गुरु एवं शिष्य संबंधों की गरिमा एवं गुरु की महिमा का विस्तार से व्याख्यान किया। उन्होंने छात्रों को आधुनिकता एवं भौतिकवादिता के युग में किस प्रकार अपने शिक्षकों का सम्मान एवं आदर करना चाहिए इसके बारे में अपना वक्तव्य दिया। उन्होंने प्राचीनकाल काल के महान गुरुओं एवं शिष्यों का उदाहरण देते हुए छात्रों को उनका अनुकरण करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की कार्यकारी प्राचार्या डॉक्टर सविता भगत ने भारतीय शिक्षण मंडल का धन्यवाद करते हुए गुरु पूर्णिमा की महत्ता का व्याख्यान किया। उन्होंने छात्रों को भौतिकवादी युग में पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण से प्रभावित होने की बजाय अपनी भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता को अपनाने और उसे सहेज कर रखने की शिक्षा दी। उन्होंने गुरुवाणी के माध्यम से गुरु शब्द की गहराई से व्याख्या की । अपने अध्यक्षीय उद्बोधन से उन्होंने सभी शिक्षकों और छात्रों को गुरु शिष्य के पारस्परिक संबंधों की गरिमा बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर उपस्थित वाईएमसीए यूनिवर्सिटी से प्रोफेसर अरविंद गुप्ता जी ने भी अपने विचार एवं अनुभव सांझा किये। वाईएमसीए यूनिवर्सिटी से ही प्रोफेसर राजेश जी भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। हिंदी विभाग अध्यक्षा श्रीमती ममता कुमारी ने महर्षि वेदव्यास के जीवन से सभी छात्रों को परिचित कराया। उन्होंने ने कहा कि महर्षि वेदव्यास को प्राचीन ग्रंथों के अनुसार भगवान विष्णु के तुल्य समझा जाता है। कार्यक्रम के अंत में सभी छात्रों ने शिक्षकों को तिलक लगाकर सम्मानित किया और उनका आशीर्वाद लिया। अंत में सभी के बीच मिष्ठान वितरित किया गया। व्यास पूजा कार्यक्रम में मंच संचालन कार्यक्रम की संयोजिका डॉक्टर बिंदु रॉय के द्वारा किया गया। कार्यक्रम की सफलता पूर्वक संचालन में महाविद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं श्री ई. एच.अंसारी, मिस्टर नेत्रपाल, श्रीमती ममता कुमारी और श्रीमती रेखा शर्मा का सहयोग रहा। डीएवी शताब्दी महाविद्यालय ने नई शिक्षा नीति में छात्रों को मातृभाषा के साथ साथ, मानव मूल्यों, आध्यात्मिकता , भारतीय संस्कृति, सभ्यता एवं संस्कारों से जोड़कर रखने की जो बात की गई है, उसको व्यवहारिक रूप से छात्रों को सिखाने और समझाने के लिए व्यास पूजा कार्यक्रम का आयोजन किया जिससे छात्र प्राचीन गुरु शिष्यों के संबंधों की गरिमा को आधुनिकता की आंधी से बचाये रख सके।

संक्षिप्त समाचार

बुखार का इंजेक्शन लगाते ही चार साल का बच्चा कोमा में गया, डॉक्टर पर लगा लापरवाही का आरोप

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। एनआईटी दो जे ब्लाक में परिवार के साथ रहने वाला करीब चार साल का बच्चा इलाज के दौरान कोमा में चला गया है। डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगा है। बच्चे के स्वजन की शिकायत पर पुलिस ने डॉक्टर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। एनआईटी दो जे ब्लाक के रहने वाले नरेंद्र वधवा ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि 23 दिसंबर 2022 को दोपहर करीब एक बजे वे अपने पोते योग वधवा को बुखार होने पर इलाज के लिए एनआईटी पांच ए ब्लाक स्थित लिटिल बुड मदर केयर अस्पताल लेकर आए थे। यहां डाक्टर भीमसेन ने इलाज शुरू किया। दवा लेकर वे वापस घर चले गए। उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ तो वे बच्चे को वापस अस्पताल लेकर पहुंचे। डाक्टर ने नर्स को बच्चे को इंजेक्शन लगाने के लिए कहा।आरोप है कि नर्स ने जैसे ही बच्चे को इंजेक्शन लगाया उसकी हालत बिगड़ने लगी। हालत काबू से बाहर होने पर डाक्टर ने बच्चे को किसी बड़े अस्पताल लेकर जाने के लिए कहा। एंबुलेंस का प्रबंध करके वे बच्चे को तुरंत एस्कोर्ट्स अस्पताल लेकर पहुंचे। करीब एक घंटे इलाज के बाद बच्चे को अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया। बच्चा 10 से 12 दिन वेंटिलेटर पर रहा। उसके इलाज में 18 से 20 लाख रुपये खर्च हो गए मगर उसका दिमाग अभी भी ठीक से काम नहीं कर रहा है। पुलिस ने डाक्टर भीमसेन के खिलाफ लापरवाही का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कुत्ता काटने की शिकायत करने पहुंचे, मालिकों ने लाठी-डंडों से की पिटाई; तीन पहुंचे अस्पताल

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। फरीदाबाद नवीन नगर में कुत्ते के काटने पर हुए झगड़े ने तीन लोगों को ट्रॉमा सेंटर पहुंचा दिया। कुत्ते के मालिक ने साथियों के साथ उनके ऊपर लाठी डंडों से हमला किया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विनय नगर के रहने वाले दीनानाथ विश्वशर्मा ने पुलिस को बताया कि पड़ोस में रहने वाले अमरनाथ के पालतू कुत्ते ने उसके भाई विकास को काट लिया था। वह भाई विकास और भांजे राज को साथ लेकर अमरनाथ के घर गया। उससे विकास की मरहम पट्टी कराने के लिए कहा। इस पर अमरनाथ, उसकी पत्नी और बेटा गाली-गलौज करने लगे। बात बढ़ती देख दीनानाथ अपने भाई और भांजे को लेकर वहां से आ गया। उसने अपने भाई की मरहम पट्टी कराई और टीका लगवाया। रात करीब साढ़े दस बजे उसने गली के बाहर शोर सुना तो वह घर से बाहर निकला। उसने देखा कि अमरनाथ 10-12 लोगों के साथ विकास को पीट रहे थे। उनके हाथों में लाठी-डंडे थे। दीनानाथ और उसके भांजे राज ने विकास को बचाने की कोशिश की, हमलावरों ने उनके ऊपर भी हमला कर दिया। इस हमले में दीनानाथ के भाई शुभम, विकास और भांजे राज को गंभीर चोट आई। उन्हें इलाज के लिए ट्रामा सेंटर में भर्ती कराना पड़ा। पुलिस का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

फरीदाबाद में दर्दनाक हादसा: केजीपी पर कैंटर में कंटेनर ने टक्कर मारी, एक मरा-पांच घायल

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। कुंडली- गाजियाबाद-पलवल(केजीपी) एक्सप्रेस-वे पर गांव मौजपुर के पास खड़े कैंटर में पीछे से आ रहे कंटेनर ने टक्कर मारी। मृतक को पोस्टमार्टम के लिए बादशाह खान अस्पताल के शव गृह में रखवा दिया है। घायलों को उपचार के बाद घर भेज दिया है। गांव इंड्री जिला नूंह निवासी जितेंद्र ने बताया कि वे कैंटर में हरिद्वार से कावड़ लेने जा रहे थे। कैंटर में ड्राइवर और कंडक्टर के अतिरिक्त 27 ग्रामीण सवार थे। तीन हलवाई थे और पांच तेज संगीत लगे हुए थे। कैंटर जब मौजपुर टोल प्लाजा के पास पहुंचा, तो वर्षा शुरू हो गई। वर्षा से बचने के लिए ग्रामीणों ने कैंटर पेंटर को साइड में खड़ा करके, नीचे उतर कर त्रिपाल बांधना शुरू कर दिया। तभी एक चालक पलवल की तरफ से तेज गति से कंटेनर को चलाकर लाया और कैंटर में टक्कर मार दी। इस घटना में शैलेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि संजय, विनोद, राहुल, भारत घायल हो गए। कैंटर का कंडक्टर भालू गांव धुनेला जिला गुरुग्राम का रहने वाला है और चालक संजय गांव मानपुरा जिला नौगांव मध्य प्रदेश का रहने वाला है। टक्कर मारने के बाद चालक कंटेनर को छोड़कर मौके से भाग गया। इसके बारे में थाना छांयसा पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी सुरेंद्र कुमार का कहना है की कंटेनर चालक के खिलाफ लापरवाही व तेज गति से वाहन चलाने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। मृतक शैलेंद्र का बादशाह खान अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया जाएगा। अन्य घायलों को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है।

डीसी विक्रम सिंह ने किया प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों के साथ यमुना के जलस्तर का निरीक्षण

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। डीसी विक्रम सिंह ने यमुना के बढ़ते जलस्तर के मद्देनजर पुलिस व प्रशासन अलर्ट पर है। उन्होंने कहा कि आमजन को कोई परेशानी नहीं आने दी जाएगी। बता दें कि डीसी विक्रम सिंह ने आज मंगलवार को डीसीपी हेडक्वार्टर पूजा वशिष्ठ, एसडीएम फरीदाबाद परमजीत चहल, एसीपी देवेंद्र सिंह, सिंचाई विभाग के अधीक्षक अभियंता आरके बत्रा व कार्यकारी अभियंता बीएस रावत, राजस्व विभाग सहित अन्य अधिकारियों के साथ फरीदाबाद जिला के यमुना नदी के साथ लगते लगभग आधा दर्जन गावों में पहुंच कर बढते यमुना जल स्तर की समीक्षा की। इस दौरान गांव के सरपंच व नंबरदार और राजस्व विभाग के कर्मचारी निरीक्षण के साथ रहे। डीसी विक्रम सिंह ने दिल्ली के सट्टे बसंतपुर गांव से बसंतपुर चौक से निरीक्षण शुरू करके महावतपुर के रास्ते किडावली, पल्ला, भुपानी, महावतपुर होते हुए मंझावली पहुंचे। जहां पर सिंचाई विभाग व राजस्व विभाग के अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। डीसी विक्रम ने लव लश्कर के साथ जिला जिला फरीदाबाद के यमुना नदी के साथ लगते लगभग आधा दर्जन गांव का दौरा कर ग्रामीणों से अपील भी की। उन्होंने कहा कि जिन लोगों की बस्तियां यमुना नदी के तट पर है वह खाली कर दें और प्रशासन द्वारा चिन्हित स्थानों पर रहकर अपना जीवन यापन करें। वहां पर प्रशासन द्वारा रहने व खाने-पीने की पूरी व्यवस्था की गई है। उन्होंने लोगों से कहा कि वह यमुना के पास संभल कर जाएं। डीसी विक्रम सिंह ने प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों के साथ यमुना के जलस्तर का बारीकी से निरीक्षण किया।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, दक्षिण रेंज रेवाडी ने जिला पलवल में बरामद मादक पदार्थ मदों का निष्पादन से पूर्व किया फिजीकल निरीक्षण

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

पलवल। पुलिस प्रवक्ता कार्यालय पुलिस अधीक्षक पलवल से प्राप्त जानकारी अनुसार आज दिनांक 8 जुलाई 2023 को श्री एम रवि करण भा0पु0से0, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक दक्षिण रेंज रेवाडी, जिला पलवल पुलिस द्वारा नशीले पदार्थों की बरामदगी के निष्पादन प्रक्रिया में निरीक्षण करने के लिए महिला थाना पलवल पहुंचे जहां एडीजीपी साहब ने जिला पलवल में वर्ष 2023 मे बरामद कुल 15 लंबित मदो से संबंधित मादक पदार्थ मदों का औपचारिक निरीक्षण किया गया। इससे पूर्व जिला स्तर पर इन मदों का निरीक्षण उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय एंव जिला निरीक्षक द्वारा किया गया था। गौरतलब है कि इन लंबित 15 मदों में करोड़ों रुपए के करीब 406.634 किलो ग्राम मादक पदार्थ गांजा एवं 321.55 ग्राम स्मैक मादक पदार्थ है। श्रीमान एडीजीपी साहब ने अपनी मौजूदगी में इलैक्ट्रोनिक कांटा से मदों का वजन चैक कराया। जिला पुलिस द्वारा राज्य भर में पलवल पुलिस द्वारा मादक पदाथों की बरामदगी बारे एडीजीपी साहब ने सराहना की। जिला पुलिस द्वारा अब तक करोड़ों रुपए के मादक पदार्थों को सेक्टर 37 गुरुग्राम की कंपनी में उच्च अधिकारियों की निगरानी में नष्ट कर दिया गया है। निरीक्षण के दौरान श्री लोकेंद्र सिंह पुलिस अधीक्षक पलवल,श्री साकिर हुसैन उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय पलवल, जिला मालखाना मोर्हर उप निरीक्षक जगबीर सिंह के अलावा संबंधित अन्य अधिकारी वा कर्मचारी उपस्थित रहे।

12 जुलाई को सेक्टर-16 स्थित नेहरू कॉलेज महिला विंग में होगी आहरण एवं वितरण अधिकारियों की एनपीएस ट्रेनिंग: संजय सिंह छौंकर

फरीदाबाद। ज़िला खजाना अधिकारी फरीदाबाद ने बताया कि हरियाणा सरकार के वित्त विभाग के आदेशानुसार, महानिदेशक, खजाना एवं लेखा विभाग, हरियाणा चण्डीगढ़ की ओर से 12 जुलाई 2023 को जिला के सभी आहरण एवं वितरण अधिकारियों की एनपीएस ट्रेनिंग का आयोजन किया जाएगा। जिला खजाना अधिकारी संजय सिंह ने आगे बताया है कि यह ट्रेनिंग दो सेशन में सुबह 10 बजे से 1 बजे तक जिला खजाना कार्यालय के डीडीओज तथा 2 बजे से 5 बजे तक उप खजाना, बल्लभगढ़ से संबंधित डीडीओज को एनपीएस की ट्रेनिंग एनएसडीएल मुंबई एवं निदेशालय के अधिकारियों द्वारा सेक्टर-16 स्थित नेहरू कॉलेज महिला विंग में दी जाएगी। उन्होंने सभी डीडीओज से कहा है कि वे अपने डीलिंग हैंड के साथ इस परिक्षण में समय पर उपरोक्त विवरण अनुसार पहुंचे कष्ट करें।

नशा मुक्ति अभियान की जिला वार की समीक्षा

अतुल्य लोकतंत्र/दीपक कुमार शर्मा

फरीदाबाद। हरियाणा के मुख्य सचिव श्री संजीव कौशल ने आज मंगलवार को चण्डीगढ़ से आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला उपायुक्तों व पुलिस अधीक्षकों के साथ एनकोर्ड की 5वीं राज्य स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उनके साथ अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री टीवीएसएन प्रसाद, उच्चतर शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री आनंद मोहन शरण, सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं अंत्योदय (सेवा) विभाग के प्रधान सचिव विजेंद्र कुमार, महानिदेशक जेल, श्री मोहम्मद अकील और एडीजीपी सीआईडी श्री आलोक मित्तल सहित हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मुख्य सचिव संजीव कौशल ने पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए कि ड्रग तस्करी में शामिल आरोपियों की संपत्ति को अटैच करने की विस्तृत रिपोर्ट मुख्यालय को अवश्य भेजें। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को ड्रग ओवरडोज से होने वाली मृत्यु के पोस्टमार्टम से संबंधित विशेष मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जल्द से जल्द तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही, नशा मुक्ति केंद्रों द्वारा नशा पीड़ितों के ईलाज के लिए दवाओं के उपयोग की मात्रा से संबंधित भी एक स्टैंडर्ड ट्रीटमेंट गाइडलाइन्स तैयार की जाएं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल के मार्गदर्शन में जिलों में राहगीरी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन राहगीरी कार्यक्रमों में भी हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अधिकारी शामिल हों और युवाओं को नशे की बुराई के बारे में बताएं। इस प्रकार के कार्यक्रम लोगों को जागरूक करने का अच्छा माध्यम बन रहे हैं। उन्होंने बताया कि ड्रग ओवरडोज से मृत्यु हुई है या नहीं ये पता लगाने के लिए सबसे जरूरी है कि मृतक ब्लड, स्किन इत्यादि जितने भी प्रकार के सेंपल हैं, वे पहले 2-3 घंटों में ही लिए जाएं। वर्तमान में इन सैंपलों की जांच केवल मधुबन स्थित फोरेंसिक लैब में की जाती है, जिससे वहां अधिक दबाव है। इसलिए यह निर्णय लिया गया है कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा भी इस प्रकार के सैंपल एकत्र कर एनएबीएल मान्यता प्राप्त लैब से जांच करवाई जा सकती है। मुख्य सचिव ने निर्देश देते हुए कहा कि जिला उपायुक्त जिला स्तरीय कमेटी की मासिक बैठक कर समीक्षा करें। साथ ही, इन बैठकों की जानकारी और निर्णयों को हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के पोर्टल पर अपडेट करना सुनिश्चित करें। उन्होंने उपायुक्तों को यह भी दिशा निर्देश दिए कि वे सम्बन्धित एसडीएम को हर माह उनके क्षेत्रों में स्थापित एक-एक नशा मुक्ति केन्द्र का निरीक्षण कर उसकी रिपोर्ट निर्धारित प्रोफार्मा में भेजकर उसे पोर्टल पर भी अपलोड करवाना सुनिश्चित करवाएं। प्रदेश में नशा मुक्ति केन्द्र का निरीक्षण कर रिपोर्ट करें। फरीदाबाद जिला मे डीसी विक्रम सिंह ने मुख्य सचिव को अवगत करवाया। डीसी विक्रम ने बताया कि जिला में नशामुक्त भारत अभियान के तहत सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार नियमित रूप से एनसीओआरडी की बैठक आयोजित जाती है।

बारिश से पहाड़ों से लेकर मैदानों तक मचा हाहाकार

दिल्ली में बारिश ने 41 साल का रिकॉर्ड तोड़ा, मोहाली की सोसाइटी में पानी भरा, नाव से लोगों को निकाला जा रहा, 3 राज्यों में 19 लोगों की मौत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली, हिमाचल, पंजाब सहित देश के उत्तरी राज्यों में भारी बारिश हो रही है। दिल्ली में 41 साल का रिकॉर्ड टूटा। 1982 के बाद से जुलाई में एक दिन में सबसे ज्यादा 153 मिमी बारिश हुई। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के बाढ़ निगरानी पोर्टल के अनुसार, ओल्ड रेलवे ब्रिज पर यमुना का जलस्तर रविवार दोपहर एक बजे 203.18 मीटर था, जबकि खतरे का स्तर 204.5 मीटर है। दिल्ली में यमुना नदी के पास स्थित निचले इलाके बाढ़ के लिहाज से संवेदनशील माने जाते हैं और वहां करीब 37,000 लोग रहते हैं।

बारिश के चलते जम्मू-कश्मीर के पुंछ में सेना के दो जवान पोशाना नदी पार करते हुए डूब गए। वहीं हिमाचल में 5, जम्मू में 2 और यूपी में 4 लोगों की मौत हो गई। हिमाचल में ब्यास नदी ने काफी नुकसान पहुंचाया। एक पुल नदी में बह गया। वहीं कुछ दुकानें भी बाढ़ के पानी में समा गईं। नदी में फंसे पांच लोगों को एनडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू किया। भारी बारिश के चलते देश के उत्तरीय राज्यों में 19 लोगों की मौत हो गई है।

हिमाचल प्रदेश के मंडी में रविवार को भारी बारिश के कारण ब्यास नदी उफान पर बह रही है। नदी किनारे कई मंदिर आंशिक रूप से डूब गए हैं।

- हिमाचल प्रदेश में दो दिन के श्रीखंड महादेव यात्रा रोकी गई।
- तीन दिन के बाद पहलगाम रूट पर अमरनाथ यात्रा शुरू।
- दिल्ली में यमुना नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही।
- मोहाली में बाढ़ जैसे हालात पर एनडीआरएफ टीम बुलाई गई।
- चंडीगढ़ में सुखना लेक का वाटर लेवल बढ़ा, बांध खोला गया।
- हिमाचल प्रदेश में दो दिन के लिए स्कूल-कॉलेज बंद किए गए।
- पंजाब के रोपड़ जिले में सभी स्कूलों में सोमवार को छुट्टी रहेगी।
- अमित शाह ने दिल्ली और जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल से हालात का जायजा लिया।
- दिल्ली में आज बंद रहेंगे सभी स्कूल, सीएम केजरीवाल ने फैसला लिया।

बारिश से भारी तबाही, छह लोगों की गई जान

हिमाचल

हिमाचल प्रदेश में बारिश ने भारी तबाही मचाई है। बारिश को लेकर जारी रेड अलर्ट के बीच प्रदेश में बीते 24 घंटों के दौरान बारिश, लैंडस्लाइड के चलते 06 लोगों की मौत हो गई है। मृतकों में पति-पत्नी और पुत्र भी शामिल हैं। वहीं, चार राष्ट्रीय राजमार्ग सहित प्रदेश की कई सड़कें बंद है। अहम बात यह है कि हिमाचल के बिलासपुर जिले में रिकॉर्ड तोड़ बारिश हुई है। बारिश के कारण मंडी से मनाली तक चंडीगढ़-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हैं। लेह मनाली राजमार्ग पर 20 घंटे से आवाजाही नहीं हुई है।

चंडीगढ़

उत्तराखंड के अधिकांश जिलों में हाई अलर्ट

देहरादून

उत्तराखंड के देहरादून स्थित निदेशक, मौसम विज्ञान विभाग की ओर से राज्य के तीन जिलों और 11 व 12 जुलाई दो दिनों के लिए कुल आठ जिलों में हाई अलर्ट जारी किया है। वहीं मौसम विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार उत्तर भारत में 59 प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज की गई है। मध्य भारत में सामान्य से चार प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज की गई है। देश के मध्य क्षेत्र में 255.1 मिमी की तुलना में 264.9 मिमी बरसात हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक पूर्वी और पूर्वोत्तर क्षेत्र में 17 प्रतिशत कम बरसात हुई है।

पंजाब में बाढ़, 50 गांव खाली करने के दिए निर्देश

जालंधर

खराब मौसम की स्थिति के मद्देनजर पंजाब के जिला उपायुक्त विशेष सारंगल ने उपमंडल मजिस्ट्रेट शाहकोट को एहतियात के तौर पर 50 निचले और बाढ़ संभावित गांवों को खाली कराने के लिए कहा है। डीसी ने रविवार को बाढ़ के प्रति संवेदनशील गांवों का दौरा किया और लोगों से बातचीत की। उन्होंने अधिकारियों को नदी में जल स्तर पर कड़ी नजर रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए ताकि समय पर आवश्यक व्यवस्था की जा सके।

अमरनाथ: हेलिकॉप्टर सेवा बहाल, पदयात्रा स्थगित

श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में अमरनाथ यात्रा के लिए हेलिकॉप्टर सेवा रविवार को बहाल कर दी गई, लेकिन खराब मौसम के कारण पहलगाम और बालटाल मार्गों से यात्रा अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गयी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में बालटाल आधार शिविर में रविवार सुबह हेलिकॉप्टर सेवा फिर से शुरू कर दी गई और तीर्थयात्रियों को अब तक पांच उड़ानों में दर्शन के लिए गुफा मंदिर ले जाया गया। उनमें से छह लोग अब तक अमरनाथ गुफा में दर्शन कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि इस समय बादल छाए हुए हैं और रास्ते में जगह-जगह फिसलन है, जिससे पैदल यात्रा करना असंभव हो गया है। उन्होंने कहा, 'जैसे ही मौसम में और सुधार होगा, यात्रा फिर से शुरू हो जाएगी। दक्षिण कश्मीर में पारंपरिक नुनवान पहलगाम आधार शिविर से रविवार को रास्ते में फिसलन के कारण किसी भी यात्री को आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी गई।

उफान पर गंगा और गंडक

बिहार

मौसम विभाग ने बिहार के 10 जिलों में भारी बारिश और बिजली का अलर्ट जारी किया है। सोमवार को तेज बारिश को लेकर प्रदेश के पांच जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है जिसमें किशनगंज, अररिया, मधेपुरा, पूर्णिया और कटिहार जिले शामिल हैं। जबकि 5 अन्य जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है।

झुंझुनूं, सीकर में बाढ़ जैसे हालात

राजस्थान

राजस्थान के 8 जिलों में सोमवार को भी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। झुंझुनूं, सीकर में बाढ़ जैसे हालात हैं। अगले 24 से 48 इस तरह बारिश का दौर जारी रहने की संभावना जताई है। जयपुर मौसम केन्द्र से जारी फोरकास्ट के मुताबिक जालोर, पाली, राजसमंद, अजमेर, अलवर, जयपुर, नागौर, भीलवाड़ा जिले में कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने का अनुमान है।

एक्सप्रेस न्यूज

केंद्र के अध्यादेश पर सुप्रीम कोर्ट आज करेगा सुनवाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने अध्यादेश को रद्दे करने के अलावा इस पर अंतरिम रोक लगाने का भी अनुरोध किया है। केंद्र सरकार ने दिल्ली में ग्रुप-ए अधिकारियों के तबादले और उनकी पदस्थापना के लिए एक प्राधिकरण गठित करने के उद्देश्य से 19 मई को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) अध्यादेश, 2023 जारी किया था। अध्यादेश जारी किए जाने से महज एक सप्ताह पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी में पुलिस, कानून-व्यवस्था और भूमि को छोड़कर अन्य सभी सेवाओं का नियंत्रण दिल्ली सरकार को सौंप दिया था।

जहरीली गैस रिसाव से तीन बच्चों समेत 16 की मौत

जोहानिसबर्ग, (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग के पास बोक्सबर्ग शहर में एक सिलेंडर से जहरीली गैस का रिसाव होने से तीन बच्चों सहित कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई। दक्षिण अफ्रीका की पुलिस ने यह जानकारी दी। वहीं आपातकालीन सेवाओं के अनुसार, कम से कम 24 लोगों के मारे जाने की आशंका है। पुलिस और आपातकालीन सेवाओं द्वारा बताई गई मृतक संख्या में विसंगति क्यों है, यह अभी तक स्पष्ट नहीं है। दक्षिण अफ्रीका की पुलिस ने बुधवार को बताया कि हादसा जोहानिसबर्ग के पूर्वी इलाके में बोक्सबर्ग शहर में एक बस्ती में हुआ। आपातकालीन सेवाओं के प्रवक्ता विलियम नतलाडी ने बताया कि एंजेलो बस्ती में एक झोपड़ी में रखे गैस सिलेंडर से रिसाव के कारण यह हादसा हुआ।

जानकारी को ज्ञान में तब्दील करने से ही विकसित होगी नेतृत्व क्षमता: ओम बिरला

नई दिल्ली। जानकारी और ज्ञान में अंतर होने का दावा करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को कहा कि जानकारी से नेतृत्व नहीं बनता है बल्कि 'ज्ञान हमें अनुभव की ओर प्रवृत्त करता है और नेतृत्वशील बनाता है।' उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और तकनीकी उन्नति के साथ ही जानकारियों का दायरा तो बढा रहा है लेकिन इस का सही सदुपयोग ही नौजवानों को नई दिशा दे पायेगा इसीलिए आज जानकारी को ज्ञान में तब्दील करना जरूरी है। मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन विभाग के मास्टर ऑफ ह्यूमन रिसोर्सेज मैनेजमेंट के तत्वावधान में दो दिवसीय 'लीडरशिप कॉनक्लेव-2023'कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा कि भारत के मूल स्वभाव को साथ लेकर चलना जरूरी है जिसमें ज्ञान, संस्कृति, इतिहास, चिंतन आदि का समावेश होना चाहिए।

सीरिया में इस्लामिक स्टेट का प्रमुख आतंकी ढेर, अमेरिका ने ड्रोन से दिया हमले को अंजाम

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिकी सेना ने इस्लामिक स्टेट के एक प्रमुख नेता उसामाह अल-मुहाजिर को मौत के घाट उतार दिया। अमेरिकी सेना ने रविवार को इस बारे में घोषणा की। इसके मुताबिक टारगेटेड स्ट्राइक में पूर्वी सीरिया में स्थित इस्लामिक स्टेट के प्रमुख नेता को मार गिराया गया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के एक बयान के अनुसार, हमला शुक्रवार को एमक्यू-9 ड्रोन का उपयोग करके किया गया था। करीब दो घंटे तक चलने वाली घटना के दौरान इस ड्रोन को रूसी विमान के हस्तक्षेप का सामना करना पड़ा था। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के बयान में कहा गया है कि शुक्रवार को दिन में करीब दो घंटे तक चली मुठभेड़ में रूसी विमानों ने एमक्यू-9 एस ड्रोन को परेशान किया था। बाद में इसी ड्रोन ने हमले को अंजाम दिया। अमेरिकी वायु सेना ने बुधवार को ड्रोन और रूसी लड़ाकू विमानों के बीच मुठभेड़ को कथित तौर पर कैद करने वाले वीडियो फुटेज जारी किए। यह एमक्यू -9 रीपर्स के लिए युद्धाभ्यास की जरूरत को दर्शाता है। घटना पर चिंता जताते हुए अमेरिकी वायु सेना ने एक बयान में सीरिया में सक्रिय रूसी वायु सेना की कार्रवाई की निंदा की। साथ ही उन्हें गैर पेशेवर और असुरक्षित करार दिया। मध्य पूर्व में नौवीं वायु सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एलेक्स ग्रिनकेविच ने बताया कि रूसी पायलटों में से एक ने जानबूझकर अपने विमान को एक ड्रोन के सामने तैनात किया। उसने जान-बूझकर ऑपरेटर द्वारा ड्रोन के सुरक्षित संचालन में बाधा डाली। आईएसआईएस नेता उसामाह अल-मुहाजिर के खिलाफ अमेरिकी सेना का हमला क्षेत्र में चरमपंथी समूह द्वारा उत्पन्न खतरे का मुकाबला करने के लिए चल रहे प्रयासों का हिस्सा है।

राहुल गांधी बोले- मैं बाइक से कश्मीर-लद्दाख जाना चाहता हूं

वीडियो में बोले

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राहुल गांधी बाइक से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख की यात्रा करना चाहते हैं। उनके पास केटीएम 90 बाइक है, लेकिन वो पड़ी है। क्योंकि सिक्योरिटी वाले चलाने नहीं देते। वे चिट्ठी लिखना शुरू कर देते हैं। यह बातें राहुल ने 27 जून को दिल्ली के करोल बाग में बाइक मैकेनिकों से कही थीं। रविवार को इस बातचीत का वीडियो राहुल ने यू-ट्यूब पर शेयर किया। 12 मिनट के इस वीडियो में उनकी करोल बाग की पूरी विजिट है। इसमें वे मैकेनिकों के सवालों के जवाब देते दिखाई दे रहे हैं। एक मैकेनिक ने उनसे पूछा- आप शादी कब कर रहे हैं? तो राहुल ने मुस्कुराते हुए कहा, देखते हैं...। इसके बाद राहुल गांधी बुलेट एक्सेसरीज की दुकान पर गए। वहां पर उन्होंने करीब 40 मिनट बिताए और बुलेट बाइक की कई बारिकियों पर बात की। राहुल गांधी ने चाय बिस्किट मंगाए। आर्मी वाली पेंट और बुलेट के बारे में जानकारी ली। वहीं, दुकान के मैकेनिक विक्की से पूछा कि शादी हुई? तो विक्की ने कहा कि आप करोगे तब कर लेंगे....। राहुल ने यहां गाड़ी की सर्विस के बारे में जानकारी ली। राहुल ने बाइक की सर्विस भी की। इसके बाद मैकेनिक से बात करते हुए कहा कि जो मैकेनिक नहीं हैं, जो गाड़ी का काम नहीं करता, उसको ये नहीं मालूम होता कि गाड़ी को ठीक होने में क्या लगता है।

मेक्सिको में ला जोर्नाडा के पत्रकार सांचेज का शव मिला

मेक्सिको (एजेंसी)। मेक्सिको के प्रमुख समाचार पत्रों में से एक ला जोर्नाडा के एक संवाददाता का शव शनिवार को पश्चिमी राज्य नायरिट के टेपिक शहर के पास पाया गया। पत्रकार लुइस मार्टिन सांचेज़ इनिग्वेज़, (59) बुधवार से लापता थे। पत्रकारों के लिए सबसे खतरनाक देशों में से एक में उनकी मौत को उनके काम से जुड़ी हत्या माना जा रहा है।श्री सांचेज़ उन तीन पत्रकारों में से एक हैं जिनका हाल के दिनों में राज्य में अपहरण कर लिया गया।

श्री सांचेज की पत्नी द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराने के एक दिन बाद उनका शव शनिवार को टेपिक शहर के पास एल अहुआकाटे गांव में पाया गया। श्री सांचेज के सीने पर दो संदेश रखे हुए थे, लेकिन अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि उन पर क्या लिखा था। ऐसा माना जा रहा है कि श्री सांचेज़ की हत्या उनके शव मिलने से 24 से 48 घंटों के बीच की गई थी। श्री सांचेज का अपहरण एक शिक्षक और पूर्व रिपोर्टर के काम पर जाते समय लापता होने के एक दिन बाद हुआ। ओसिरिस नाम के इस व्यक्ति का पता अभी तक नही चला है।

कैलिफोर्निया में लैंडिंग से पहले प्लेन हुआ क्रैश, 6 लोगों की मौत

कैलिफोर्निया, (एजेंसी)। कैलिफोर्निया हवाई अड्डे के पास एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। विमान में आग लग गई और 6 लोगों की मौत हो गई है। अमेरिका के फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के मुताबिक यह दुर्घटना लॉस एंजिल्स से करीब 130 किमी दक्षिण पूर्व में मुरिएटा में सुबह 4.15 बजे देखने को मिली है। मृतकों की अबतक पहचान नहीं हो सकी है। इस दुर्घटना की सूचना मिलते ही मौके पर फायर फाइटर की टीम पहुंच गई। इस दौरान प्लेन में लगी आग को बुझाने में 1 घंटे से अधिक का समय लग गया। विमान ने लास वेगस के एयरपोर्ट से सुबह के 3.15 बजे उड़ान भरी थी।

यमन के हौउति गुट ने कुरान जलाने के बाद स्वीडन से आयात पर प्रतिबंध लगाया

सना, (एजेंसी)। यमन में हौउति गुट ने स्वीडन में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान कुरान जलाने के विरोध में अपने नियंत्रण वाले देश के उत्तरी हिस्से में स्वीडन से आयात के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है।

हौउति व्यापार मंत्री मोहम्मद अल-मुताहर ने कहा कि प्रतिबंध घटना के खिलाफ 'विरोध का संदेश' है। उन्होंने इसे 'ईशनिंदा का कार्य' बताया। उन्होंने कहा कि हौउति-नियंत्रित क्षेत्र पर प्रतिबंध का प्रभाव सीमित है क्योंकि यमन में स्वीडिश आयात बड़ी मात्रा में नहीं है। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने स्टॉकहोम में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान एक इराकी शरणार्थी द्वारा कुरान जलाए जाने की कई इस्लामिक देशों ने निंदा की थी।

स्टॉकहोम पुलिस ने हालाँकि, शुरू में कुरान जलाने की अनुमति दे दी थी, बाद में स्वीडिश सरकार ने इस घटना की निंदा की और इसे 'इस्लामोफोबिक' कृत्य करार दिया। यमन के हौउति विद्रोहियों ने 2014 के अंत में कई उत्तरी प्रांतों पर कब्ज़ा कर लिया, जिससे गृह युद्ध छिड़ गया।

मणिपुर हिंसा : पुस्तक प्रकाशन पर फेडरेशन के खिलाफ FIR

इंफाल, (एजेंसी)। मणिपुर सरकार के गृह मामलों के आयुक्त ने राज्य पुलिस को 'द इनविटेबल स्प्लिट- मणिपुर में राज्य प्रायोजित जातीय सफाई पर दस्तावेज़, 2023' नामक पुस्तक प्रकाशित करने के लिए जोमी स्टूडेंट्स फेडरेशन यूनियन के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। उन्होंने पुलिस को किताब पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही प्रकाशकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। मणिपुर के गृह आयुक्त ने आईपीसी की धारा 154 आदि के तहत 'आरोपी लेखक और संगठन' के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही करने और आपराधिक प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 95 के तहत पुस्तक के खिलाफ आवश्यक वारंट जारी करने का आग्रह किया। मणिपुर सरकार के गृह मामलों के आयुक्त द्वारा दायर शिकायत पत्र के जवाब में, ज़ोमी स्टूडेंट्स फेडरेशन ने दावा किया कि मणिपुर सरकार 3 मई, 2023 से इलेक्ट्रॉनिक और मुद्रित मीडिया में हजारों झूठ फैला रही है।

चुनावी नतीजों में टीएमसी का दिखा दम, भाजपा बोली- हिंसा के बाद चुनाव से हमें कोई उम्मीद नहीं थी

पश्चिम बंगाल। पश्चिम बंगाल में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के आज नतीजे आ रहे हैं। नतीजों में तृणमूल कांग्रेस को जबरदस्त जीत मिलती हुई दिखाई दे रही है। ग्राम पंचायत हो या फिर पंचायत समिति या जिला परिषद्, तीनों में ही तृणमूल कांग्रेस लीड करते हुए दिखाई दे रही है। ग्राम पंचायत के चुनाव में तो तृणमूल कांग्रेस ने एकतरफा जीत हासिल की है। हालांकि, तीनों ही स्तरों के चुनाव में दूसरे नंबर पर भाजपा ही रही है। पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव की मतगणना कड़ी सुरक्षा के बीच जारी है। पिछले महीने की शुरुआत में पंचायत चुनाव की तारीख घोषित होने के बाद से राज्य भर में राजनीतिक झड़पों में 33 से अधिक लोग मारे गए थे और चुनाव में हिंसा हुई थी। पंचायत चुनाव की नतीजों पर पश्चिम बंगाल भाजपा की महासचिव अग्निमित्र पॉल ने कहा कि जैसी हिंसा हुई उसके बाद इस चुनाव से कोई उम्मीद नहीं है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह कोई जनादेश नहीं है क्योंकि ममता बनर्जी के गुंडों ने जबरदस्ती मतदान करवाया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय सुरक्षा बल को पहुंचने की इजाजत नहीं थी और मतदान केंद्रों पर सीसीटीवी भी नहीं थे। हम कई केंद्रों से 2, 4, 24 वोटों से हारे हैं। पश्चिम बंगाल में हमारी जीत ये है कि लोग टीएमसी को हराने के लिए सड़क पर उतर रहे हैं। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने कहा, ''तृणमूल कांग्रेस के गुंडे भाजपा और अन्य विपक्षी दलों के मतगणना एजेंट को मतगणना केंद्रों में प्रवेश करने से रोककर जनमत की चोरी करने का प्रयास कर रहे हैं। मतगणना एजेंटों को केंद्रों में जाने से रोका जा रहा है और बमबाजी कर उन्हें धमकाया जा रहा है।'' पश्चिम बंगाल में शनिवार को हुए पंचायत चुनाव में व्यापक पैमाने पर हिंसा हुई थी जिसमें 15 लोगों की मौत हो गयी। मतदान के दौरान मत पेटियां लूटी गयीं, मतपत्रों में आग लगायी गयी और कई स्थानों पर प्रतिद्वंद्वियों पर बम भी फेंके गए। शनिवार को हुए चुनाव में 80.71 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि सोमवार को राज्य के जिन 696 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान हुआ, वहां शाम पांच बजे तक 69.85 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। हिंसा और मतपेटियों से छेड़छाड़ की खबरें आने के बाद इन मतदान केंद्रों पर फिर से मतदान कराने का फैसला किया गया था। राज्य के ग्रामीण इलाकों की 73,887 सीट के लिए शनिवार को हुए मतदान में 5.67 करोड़ लोग मतदान करने के पात्र थे। पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव के दौरान हिंसा का इतिहास रहा है।

इसरो: एसएसएलवी को पूरी तरह से निजी क्षेत्र को सौंपने की तैयारी

छोटी सैटेलाइट्स की लॉन्चिंग में होता है इस्तेमाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) जल्द ही अपने छोटे उपग्रह प्रक्षेपण यान (स्मॉल सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल) को निजी क्षेत्र में ट्रांसफर करेगा। इससे पहले वह रॉकेट के जरिए दो विकास उड़ानों को लॉन्च करेगा, जो 500 किलोग्राम तक वजन वाले सैटेलाइट को पृथ्वी की निचली कक्षा (लॉ-अर्थ ऑर्बिट) में रखने के लिए ऑन-डिमांड सेवाएं प्रदान करना चाहता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अंतरिक्ष एजेंसी ने मिनी रॉकेट को उद्योग में हस्तांतरित करने के लिए बोली का रास्ता चुनने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, हम एसएसएलवी को पूरी तरह से निजी क्षेत्र को ट्रांसफर कर देंगे। पिछले साल अगस्त में एसएसएलवी की पहली उड़ान दूसरे चरण के पृथक्करण के दौरान 'इक्विपमेंट बे डेक' पर थोड़े समय के लिए कंपन गड़बड़ी के कारण विफल रही थी। इसरो ने इस गड़बड़ी का गहन विश्लेषण किया और सुधारात्मक कदम उठाए और फिर फरवरी में एसएसएलवी का सफल प्रक्षेपण किया। एसएसएलवी ने इसरो के ईओएस-07, अमेरिकी कंपनी एंटारिस के जेनस-1 और चेन्नई स्थित अंतरिक्ष स्टार्ट-अप 'स्पेस किड्ज' केएस आजादी सैट-2 सैटेलाइट्स को 450 किलोमीटर के सर्कुलर ऑर्बिट में स्थापित किया।

शहीद परिवार को मिलने वाली सम्मान निधि को 50 लाख से बढ़ाकर कम से कम 1 करोड़ रुपये किया जाए: दीपेंद्र हुड्डा

सांसद दीपेंद्र हुड्डा शहीद मनोज भाटी की मूर्ति स्थापना कार्यक्रम में पहुंचे

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। सांसद दीपेंद्र हुड्डा आज गाँव शाजहाँपुर में शहीद रायफलमैन मनोज भाटी की मूर्ति स्थापना कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए और शहीद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। दीपेन्द्र हुड्डा ने देश की आन-बान-शान के लिये अपना सब कुछ न्यौछावर करने वाले शहीदों के बलिदान को याद करते हुए कहा कि शहीद सैनिकों, पूर्व सैनिकों व उनके परिवार वालों का मान-सम्मान सबसे ऊपर है। देश की सेना में हर दसवां सैनिक हरियाणा से है। उन्होंने बताया कि 2012 में जब देश में शहीदों के लिये कोई नीति नहीं थी तब हुड्डा सरकार ने शहीद परिवार को 50 लाख रुपये की सम्मान निधि देने की नीति बनायी थी। ये राशि उस समय पूरे देश में सबसे ज्यादा थी। लेकिन दुर्भाग्य है कि बीते 9 साल में खट्टर सरकार ने इसमें कोई वृद्धि नहीं की, यहाँ तक कि महंगाई को इसमें नहीं जोड़ा। जबकि, देश के कुछ राज्यों में शहीद सम्मान निधि 1 करोड़ रुपये मिल रही है। दीपेन्द्र हुड्डा ने मांग करी कि हरियाणा में भी शहीद सम्मान निधि को 50 लाख रुपये से बढ़ाकर कम से कम 1 करोड़ रुपये किया जाए। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा आज फरीदाबाद में आयोजित कई कार्यक्रमों में शामिल हुए। इस दौरान उनका जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। इससे पहले, गाँव नीमका व अन्य इलाकों से आए ग्रामवासियों के कई प्रतिनिधिमंडल ने सांसद दीपेन्द्र हुड्डा से मुलाकात की और उन्हें अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा। दीपेन्द्र हुड्डा ने उनकी मांगों का पूर्ण समर्थन करते हुए कहा कि सरकार ग्रामीणों की जायज मांग पर सकरात्मक रूप से विचार करे और गाँववासियों की आम सहमति से निर्णय ले। ग्रामवासियों की मांग है कि गाँव की आबादी को ग्रामीण आबादी घोषित किया जाए तथा उनकी जमीनों को गांव की जमीन की तरह फ्रीहोल्ड माना जाए। साथ ही उनपर किसी प्रकार का डेवलपमेंट चार्ज, हाउस टैक्स आदि न लगाया जाए। दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि BJP-JJP सरकार में जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है। पिछले 9 साल में इस सरकार ने पूरे प्रदेश को भ्रष्टाचार का प्रतीक बना दिया है। BJP-JJP सरकार के भ्रष्टाचार का ही नतीजा है कि 'स्मार्ट सिटी' कहे जाने वाले फरीदाबाद में जरा सी बारिश से बुरा हाल हो चुका है। उन्होंने कहा कि अकेले फरीदाबाद नगर निगम में ही बिना काम किए 200 करोड़ का घोटाला कर दिया गया। बिना काम कराए ही ठेकेदार को पेमेंट भी हो गई। आज तक एक पैसे की भी रिकवरी नहीं की गई न तो दोषियों को सजा दिलाई गई। घोटाले के जिम्मेदारों पर कार्रवाई करने की बजाय घोटाले की खबरों को दबाने और घोटालेबाजों को बचाने की कोशिशें की जा रही हैं। अब हार्डवेयर-प्याली पेरिफेरी रोड निर्माण में 16 करोड़ रुपये के घोटाले का मामला सामने आया है। सरकार लगातार घोटालों को दबाने और घोटालेबाजों को बचाने की कोशिश कर रही है। हर जगह केवल करप्शन ही करप्शन नजर आ रहा है। सुलभ शौचालय तक में घोटाला कर दिया गया। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि बीते कई दिनों से हो रही भारी बारिश से प्रदेशभर में जलभराव से भारी नुकसान की खबरों पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि बारिश के मौसम में फरीदाबाद, गुरुग्राम जैसे शहरों का बुरा हाल हो जाता है। पानी जमा होने के चलते शहर का अधिकांश हिस्सा तालाब के रूप में तब्दील हो जाता है। ग्रीन फील्ड कॉलोनी अंडरपास हो या ओल्ड फरीदाबाद अंडरपास ज्यादातर अंडरपास जलमग्न हो जाते हैं। जिससे कई किलोमीटर लंबा जाम लग जाता है और लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सरकार यदि समय रहते सीवर ड्रैनेज की सफाई करवा देती तो इतना बुरा हाल नहीं होता। फरीदाबाद में टूटी सड़कें, ध्वस्त सीवरेज, पीने के पानी की कमी, सफाई व्यवस्था, पार्कों के खराब हालात सब कुछ बयां कर रहे हैं। इस अवसर पर पूर्व मंत्री चौ. करण सिंह दलाल, विधायक नीरज शर्मा, पूर्व विधायक रघुबीर तेवतिया, पूर्व विधायक ललित नागर, पूर्व ष्टक्क शारदा राठौर, पूर्व विधायक पंडित टेक चंद शर्मा, लखन सिंगला, मुकेश भाटी, अब्दुल गफ्फार कुरैशी, तरुण तेवतिया, गिरीश भारद्वाज, जगन डागर, बिजेंदर मावी, कृष्ण ठाकुर, ललित बंसल, डॉ ब्रह्मदत्त, नरेन्दर सिंह, नितिन सिंगला, अभिलाष नागर, शहीद मनोज भाटी के पिताजी श्री बाबूलाल सिंह भाटी, माताजी सुनीता देवी, भाई योगेश, सुनील समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

डीएसपी हेडक्वार्टर पलवल ने कावड़ यात्रा रुट का किया निरीक्षण

ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों को दिए आवश्यक निर्देश

अतुल्य लोकतंत्र/मुकेश बघेल

पलवल। डीसीपी क्राइम श्री मुकेश मल्होत्रा के द्वारा अपराधिक गतिविधियों में शामिल आरोपियो की धर-पकड़ के दिए गए दिशा निर्देस के तहत कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच सेक्टर-65 प्रभारी की टीम ने अवैध हथियार सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी का नाम मनोज कुमार है आरोपी बल्लबगढ के पन्हेडा कला का रहने वाला है। आरोपी को क्राइम ब्रांच टीम ने अपने सूत्रों से प्राप्त सूचना से अटाली के सीएनजी पम्प के पास से काबू किया है। आरोपी की तलाशी लेने पर आरोपी से एक देसी कट्टा बरामद की गई। आरोपी से कट्टा के संबंध में लाईसेंस पेश करने की बात कही तो आरोपी लाईसेंस पेश नही कर पाया। आरोपी के खिलाफ थाना छायंसा में अवैध हथियार रखने की धारों में मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया था। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने देसी कट्टा अपने चचेरे भाई जेकी से लिया था। जिसकी वर्ष 2020 में हत्या कर दी गई थी। आरोपी पर पहले हत्या का मामला माननीय अदालत में विचाराधिन है आरोपी मामले में जमानत पर है। आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश के कोसी में हत्या की वारदात को अंजाम दिया था। आरोपी ने अभी कुछ दिन पहले अपने गांव में किसी व्यक्ति पर जान से मारने की नियत से गोली चलाई थी। जिसमें आरोपी को पुलिस 1 दिन के रिमांड पर लिया गया है।

बल्लभगढ़ में चरमराई हुई कानून व्यवस्था के खिलाफ जन-आंदोलन करेगी कांग्रेस: मनोज अग्रवाल

बढ़ती आपराधिक घटनाओं को लेकर कांग्रेसी नेता ने भाजपा सरकार को घेरा

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ के सुभाष कॉलोनी में बीते दिनों किराना स्टोर संचालक अशोक जैन और पड़ोसी दुकानदार शमसुद्दीन पर गोली चलने की घटना ने भाजपा सरकार की लचर कानून व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी। इस घटना को लेकर दुकानदारों, व्यापारियों व आम लोगों में सरकार व पुलिस प्रशासन के प्रति गहरा आक्रोश है। इसी कड़ी में बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनोज अग्रवाल ने आज पीड़ित दुकानदार व उनके परिजनों से मुलाकात उनका कुशलक्षेम जाना और उन्हें ढांढस बंधाया। इस दौरान मनोज अग्रवाल ने भाजपा सरकार पर हल्ला बोलते हुए कहा कि सरकार लोगों को सुरक्षित माहौल उपलब्ध करवाने में पूरी तरह से नाकाम साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि अपराधी एवं असामाजिक तत्व बेख़ौफ़ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं लेकिन पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मौन धारण किए हुए है। हालात इस खराब हो गए है कि दिनदिहाड़े अपराधी बेखौफ मुख्य बाजार में लूट की कोशिश को अंजाम देते हुए और फायर करके फरार हो जाते है। शासन और प्रशासन के इस ढुलमुल रवैये के मद्देनजर सवाल यह उठता है कि क्या बल्लभगढ़ बाजार में आने वाले खरीददारों और दुकानदारों की सुरक्षा भगवान भरोसे छोड़ी जा चुकी है? मनोज अग्रवाल ने कहा कि दिनदहाड़े होती लूट-मार की वारदातों के कारण आम जनता के साथ ही व्यापारी वर्ग भी डर के साए में जीने को मजबूर है। बल्लभगढ़ में बीते तीन दिनों में लूटपाट और गोली चलने की लगातार होती घटनाओं ने भाजपा-जजपा सरकार की कार्यप्रणाली और प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था पर गहरे सवालिया निशान खड़े किए हैं। कानून व्यवस्था की लचर हालत का आलम यह है की गोली चलने के बावजूद दुकानदारों और व्यापारियों की शिकायत तक दर्ज करने में पुलिस आनाकानी करती है। गोली चलने की घटना के 48 घंटे बीत जाने के बावजूद बल्लभगढ़ के पुलिस-प्रशासन के पास अपराधियों का कोई सुराग तक नहीं है। मनोज अग्रवाल ने भाजपा सरकार से मांग करते हुए कहा कि इस गोलीकांड में शामिल अपराधियों को अतिशीघ्र गिरफ्तार कर कठोर कार्यवाही की जाए। इसके साथ ही जनता की सुरक्षा हेतु बल्लभगढ़ के प्रमुख स्थानों पर पुलिस चेक पोस्ट स्थापित किए जाएं और सीसीटीवी कैमरे लगवाएं जाए जिसकी मोनिटरिंग एक कंट्रोल रूम के माध्यम से हो ताकि आपराधिक घटनाओं को रोका जा सके। इसके साथ ही पुलिस पेट्रोलिंग की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित की जाए जिससे की आम जनता के अंदर व्याप्त भय का माहौल समाप्त हो और बल्लभगढ़ में वापिस कानून का राज कायम किया जा सके, अन्यथा कांग्रेस कार्यकर्ता व्यापारियों के साथ सडक़ों पर उतरकर सरकार के खिलाफ व्यापक जन-आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

फरीदाबाद की सिरिंज से दुनिया को लग रही वैक्सीन: धनखड़

विधायक राजेश नागर के तिगांव विधानसभा में आयोजित व्यापारी उद्यमी संवाद में बोले प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। आज दुनिया भर में भारत की वैक्सीन लगती है लेकिन उसे लगाने के लिए फरीदाबाद की सिरिंज का उपयोग होता है। यह बात भाजपा हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने कही। तिगांव विधानसभा में आयोजित व्यापारी उद्यमी संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। धनखड़ ने उद्यमियों से अपील की कि आप परंपरागत कारोबार से आगे बढ़िए। स्टार्टअप का जमाना है। आप लोग स्टार्टअप की ओर आगे बढ़ें। आप बढेंगे, देश बढ़ेगा और दूसरों को रोजगार भी देंगे। उन्होंने कहा कि ऐसा काम करो कि कोई फरीदाबाद आए तो आप बता सकें कि हम फलां क्षेत्र में नंबर वन हैं। धनखड़ ने कहा कि आज देश में सडक़ों का जाल बिछाया जा रहा है क्योंकि वही देश तरक्की करता है जहां की कनेक्टिविटी अच्छी होती है। ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि जब मोदी जी को देश की बागड़ोर मिली तब भारत दुनिया की अर्थव्यवस्था में दसवें नंबर पर था लेकिन उनके कुशल नेतृत्व में यह पांचवें नंबर पर आ गया है और हमारे पास ऐसा प्रधानमंत्री है जो दुनिया की नंबर एक शक्ति के घर में जाकर कह रहा है कि हम जल्द दुनिया की तीसरी शक्ति होंगे। मोदी जी की ताकत आप लोग हैं। इस अवसर पर विधायक राजेश नागर ने कहा कि अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने उनके क्षेत्र में आकर हमारे उद्यमियों व्यापारियों का मनोबल बढ़ाया है। इसके लिए मैं उनका ऋणी रहूंगा। नागर ने कहा कि यही वो लोग हैं जिनके सहयोग से मुझे प्रदेश में सबसे ज्यादा वोट मिले। इनका मैं हमेशा कर्जदार रहूंगा। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा, विधायक सीमा त्रिखा, मुख्यमंत्री के पूर्व राजनैतिक सचिव अजय गौड़, पूर्व मंत्री विपुल गोयल, विधायक राजेश नागर के पिता रूप सिंह नागर, कॉपरेटिव चेयरमैन हुकम सिंह भाटी, तिगांव सरपंच विक्रम प्रताप नागर, तिगांव अधाना पट्टी सरपंच वेद प्रकाश अधाना, पूर्व पार्षद राजेश तंवर, सुधीर नागर, सुरेंद्र बिधूड़ी, अमित भारद्वाज, लाल मिश्रा, शिशुपाल अवाना, हेमंत शर्मा आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे। मंच का संचालन कवि दिनेश रघुवंशी ने किया। इससे पहले कार्यक्रम में पहुंचने पर ओमप्रकाश धनखड़ का जोरदार स्वागत किया गया। जिसमें विभिन्न औद्योगिक संगठनों के प्रमुखों सहित जाने माने उद्यमी भी शामिल रहे। इनमें एफसीसीआई के अध्यक्ष एचके बत्रा, एफआईए के अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता, एमएफ के अध्यक्ष रमणीक प्रभाकर, स्लेजहैमर के अध्यक्ष प्रदीप मोहन्ती, नवीन सूद, मनोहर पुनियानी, नरेश वर्मा आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

पुलिस ने किया 50-50 हजार के इनामी बदमाश जंगली और बिल्ला को गिरफ्तार

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। फिरौती, लूट, स्नैचिंग, लडाई-झगडे व अवैध हथियार के मामलों में 13 सालों से फरार चल रहे 50-50 हजार के दो इनामी बदमाश जंगली और बिल्ला को अपराध शाखा सेक्टर-65 प्रभारी ब्रह्मप्रकाश की टीम ने गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। एसीपी क्राइम अमन यादव ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता के दौरान बताया कि गिरफ्तार आरोपियो में हिमांशु उर्फ जंगली, मनोज उर्फ बिल्ला का नाम शामिल है। दोनों आरोपी भाई है जो बल्लबगढ़ के रहने वाले है। क्राइम ब्रांच टीम ने दोनों आरोपियो को अपने सूत्रों से प्राप्त सूचना से बल्लबगढ़ सेक्टर- 3 से गिरफ्तार किया है। आरोपियो ने वर्ष-2008 में अपने साथियो के साथ मिलकर सेक्टर-23 बल्लबगढ़ के रहने वाले प्रोपर्टी डीलर पंकज पर जान से मारने की धमकी देकर आरोपियो ने प्रोपर्टी डीलर की दुकान टाउन प्लाजा पर हथियारों से जान से मारने की नियत से चोट मारने की वारदात को अंजाम दिया था। इसके साथ ही आरोपियो ने वर्ष 2009 में सेक्टर-3 बल्लबगढ में भीकम कॉलोनी के रहने वाले बलराज पर जन्मदिन की पार्टी में किसी बात को लेकर जान से मारने की नियत से अवैध हथियार से 3-4 फायर किए थे। जिसमें आरोपियो को 8 वर्ष की सजा हुई थी। आरोपी जंगली हाई कोर्ट से जमानत पर आ गया तथा आरोपी बिल्ला अदालत में पेश नही हुआ था।

भारत विकास परिषद संस्कार शाखा का शपथ ग्रहण सम्पन्न

अनिल गर्ग प्रधान, सुनीता सचिव, छाबड़ा बने कोषाध्यक्ष

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। भारत विकास परिषद संस्कार शाखा द्वारा सुन्दरकांड का पाठ एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन नीलकंठ महादेव मंदिर सेक्टर-8 में किया गया। जिसमें संस्कार शाखा के सदस्यों, भारत विकास परिषद की अन्य शाखाओं से आए पदाधिकारी एवं सेक्टर 8 के स्थानीय निवासियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत सुन्दरकांड के पाठ के साथ हुई। सुन्दरकांड का पाठ शाखा महिला संयोजिका किरन शर्मा, उनकी टीम और संस्कार शाखा की महिलाओं द्वारा किया गया। सारा दिन बारिश होने के बावजूद भी मंदिर में उपस्थित शाखा के सभी गणमान्य सदस्यों, अन्य शाखा से आए पदाधिकारियों, सेक्टर-8 कॉलोनी निवासी एवं अन्य सभी भक्तजनों ने मंत्रमुग्ध सुन्दरकांड के पाठ का हिस्सा बन कर प्रोग्राम की शोभा बढ़ाई। सुन्दरकांड के पाठ के पश्चात संस्कार शाखा के दायित्वधारियों अध्यक्ष अनिल गर्ग, सचिव सुनीता रानी, कोषाध्यक्ष अनिल छाबड़ा, महिला संयोजिका किरन शर्मा को सेवा कार्यों को करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए एस. एन. बंसल संरक्षक भारत विकास परिषद हरियाणा दक्षिण प्रांत द्वारा शपथ दिलाई गई। उसके बाद प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं संस्कार शाखा सदस्य सुरेंद्र जग्गा ने शाखा में नए बने सदस्यों सतीश गर्ग सपत्नीक शैली गर्ग, ऊषा शर्मा, गीता शर्मा, वीरेन्द्र बंसल सभी को भी शाखा की सदस्यता की शपथ दिलाई सभी नए सदस्यों का पटका पहना कर स्वागत व सम्मान किया गया। शपथ ग्रहण समारोह में हरियाणा दक्षिण प्रांत के संरक्षक एस. एन. बंसल, क्षेत्रीय महासचिव राजकुमार अग्रवाल, प्रांतीय उपाध्यक्ष सुरेंद्र जग्गा को शाखा द्वारा पटका पहना कर एवं पौधा देकर सम्मानित किया गया। शाखा सदस्य प्रेम पसरीचा की तरफ से संस्कार शाखा के सभी सदस्यों के लिए इस कार्यक्रम में टी शर्ट दी गई उनको भी पटका पहना कर और पौधा देकर स्वागत किया गया। शाखा संरक्षक अमर बंसल ने कहा सुन्दर कांड हिन्दू महाकाव्य रामायण का एक महत्वपूर्ण अध्याय है जो भगवान हनुमान के वीरतापूर्ण कारनामों पर केंद्रित है और सुनने वालों को आशीर्वाद, साहस और शक्ति प्रदान करता है। शाखा अध्यक्ष अनिल गर्ग ने भारत विकास परिषद के बारे में बताते हुए कहा कि भारत विकास परिषद पांच सूत्रों सेवा, संस्कार, समर्पण, सम्पर्क, सहयोग पर कार्य करता है और आज का कार्यक्रम इन्हीं पांचों सूत्रों पर आधारित है। शाखा सचिव सुनीता रानी ने कार्यक्रम में संस्कार शाखा परिवार अन्य सभी शाखाओं से आए पदाधिकारियों स्थानीय निवासियों के प्रति धन्यवाद और आभार व्यक्त किया और मानवता की सेवा के लिए एक साथ होने के लिए एकता के महत्व पर जोर देते हुए एक बेहतर समाज बनाने के लिए सभी से आग्रह किया। कार्यक्रम की समाप्ति के बाद सभी ने भोजन प्रसाद का आनंद लिया और तृप्ति की भावना के साथ जरूरतमंद लोगों के जीवन में बदलाव लाने के लिए प्रेरित हुए।

पुस्तक 5 वे टू की मशहूर एक्टर,गायक और बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने की सराहना: जेपीमल्होत्रा

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। शहर में एक मीडिया हाउस के भव्य कार्यक्रम में पहुंचे डीएलएफ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री जेपी मल्होत्रा द्वारा पुस्तक 5 वे टू टेक केयर ऑफ 150 सिचुएशन्स की एक प्रति भेंट किए जाने पर, पूर्वी दिल्ली के माननीय सांसद और एक्टर और गायक मनोज तिवारी ने पुस्तक की सराहना की और टिप्पणी करते हुए कहा कि ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव को पुस्तक के रूप में साझा करना युवाओं के लिए एक महान प्रयास और सेवा है।

श्री सांसद मनोज तिवारी ने पुस्तक पर नजर डाली और श्री जेपी मल्होत्रा को धन्यवाद दिया, जब उन्हें बताया गया कि पुस्तक व्यावहारिक ज्ञान की परिणति है और इसे कोविड-19 के दौरान लिखा गया था और पुस्तक ÷5 वे टू टेक केयर ऑफ 150 सिचुएशंस÷ की 1000 प्रतियां प्राप्त हुई हैं। मुद्रित और उद्यमियों और शिक्षाविदों, नेताओं और प्रियजनों को कूरियर या व्यक्तिगत रूप से बिल्कुल मुफ्त में प्रस्तुत, उपहार या वितरित किया जा रहा है। इस प्रकार लगभग 640 प्रतियां सिविक सोसायटी और जिला प्रशासन के सदस्यों को उपलब्ध कराई गई हैं। श्री मनोज तिवारी ने इस भाव को स्वीकार किया और श्री जेपी मल्होत्रा को उनके उत्साह और समृद्ध सामग्री के लिए आभार व्यक्त किया और यादगार तस्वीर खिंचवाई। जेपी मल्होत्रा ने कहा कि पुस्तक की मुफ्त प्रति पाने में रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति कृपया सुश्री नेहा ईए डीएलएफआईए 9311224627 पर संपर्क कर सकता है।

डीसी विक्रम सिंह ने गांव कांवरा में हरियाणा उदय अभियान के तहत किया जन संवाद

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। डीसी विक्रम सिंह की अध्यक्षता में सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार गांव कांवरा के स्कूल में हरियाणा उदय अभियान के तहत जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां डीसी विक्रम सिंह ने केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं क्रियान्वयन से सम्बंधित लोगों से सीधी बातचीत की। गांव के सरपंच कृष्ण दीक्षित ने जिला प्रशासन का गर्मजोशी से स्वागत किया। वहीं गांव के मौजिज लोगों ने पगड़ी बांधकर डीसी विक्रम सिंह को सम्मानित किया। डीसी विक्रम सिंह ने केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार की योजनाओं से लाभान्वित लोगों से जनसंवाद किया। उन्होंने लोगों से पूछा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाएं धरातल पर कितनी क्रियान्वित है। क्या वास्तव में लोगों तक इन योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है या नहीं । उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा जनहित में चलाई जा रही मातृत्व योजना, निरोगी आयुष, प्रधानमंत्री स्वनिधी योजना, बीपीएल परिवार योजना, परिवार पहचान पत्र योजना, कन्या विवाह विवाह शगुन योजना आदि के बारे में जानकारी ली। वहीं डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि आयुष्मान योजना के तहत लोगों को 5 लाख तक का स्वास्थ्य लाभ दिया जाता है। जिसके लिए परिवार पहचान पत्र में वार्षिक आय 1.20 लाख रुपए से नीचे होनी चाहिए। मगर, हरियाणा राज्य पहला राज्य है, जहां पर 1.80 लाख तक आयु के लोगों को बीपीएल परिवारों की सूची में शामिल किया गया है।वहीं केंद्र की मातृत्व सुरक्षा योजना के तहत बच्चे के जन्म से पूर्व पोषक आहार के लिए 5000 रुपए। वही, हरियाणा सरकार दूसरी संतान के जन्म से पूर्व 6000 रुपए की सहायता पोषण आहार के लिए उपलब्ध कराती है। डीसी ने कहा कि ऐसी अनेक योजनाएं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा संचालित की जा रही हैं, जो आम जनमानस को लाभान्वित करने का काम कर रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा चलाई जा रही जन धन योजना के तहत खोले गए बैंक खातों से 12 रुपए सालाना भुगतान करने पर 2 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा दिया जाता है। इसके अलावा कन्या विवाह शगुन योजना के तहत गरीब व आरक्षित परिवारों को कन्या के विवाह के लिए 31, 51 व 71 हजार रुपए की आर्थिक मदद प्रदान की जा रही है। डीसी विक्रम ने अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए कि गांव से सभी अवैध कब्जे हटाए जाएं। राजस्व व जिला विकास एवं पंचायत विभाग के अधिकारी आपसी तालमेल करके भूमि की पैमाइश करके इस कार्य को यथाशीघ्र पूरा करें। उन्होंने लोगों की परिवार पहचान पत्र वेरिफिकेशन करवाने और पेंशन के संबंध में कहा कि लोगों को कहीं चक्कर काटने की जरूरत नहीं है। सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार परिवार पहचान पत्र के जरिए ही वृद्धावस्था पेंशन व बीपीएल कार्ड बनाए जा रहे हैं। सरकार की ऑनलाइन पर प्रणाली प्लेटफार्म प्रणाली की व्यवस्था में कुछ बाधाएं हैं। उसे दूर जरूर जाकर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर ठीक करवाएं। इसके लिए सीएससी सेंटर या एडीसी व एसडीएम कार्यालय में जाकर अपने परिवार पहचान पत्र की आय को दुरुस्त करवाना सुनिश्चित करें। डीसी विक्रम ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन विभागों के कांवरा गांव में जो भी कार्यालय, स्कूल, अस्पताल हैं। उनकी छतों को की साफ-सफाई बारिश के मौसम में जरूर करवाएं। ताकि उनकी छतों पर पानी न ठहरे। वहीं जिन विभागों के जो भी विकास कार्य चल रहे हैं। वह गांव में उनका निरीक्षण करना सुनिश्चित करें। गांव में पौंड और नालों सफाई करवाएं। पानी की सुचारु सप्लाई के लिए ऑपरेटर नियुक्त करे। शराब के ठेके को गांव की आबादी से बाहर करवाएं। बुढ़ियानाला को भी साफ़ कराया जाए। गांव में लिंगानुपात के लिए सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार गांव में क्या कमी है। किस वजह से यह सिस्टम में ढील है। इसे दूर करने के लिए गांव के प्रबुद्ध वर्ग आए आगे आएं। प्रशासन इस लिंगानुपात को बढ़ाने में प्रशासन का पूरा सहयोग प्रदान करें। डीसी विक्रम ने गांव में पशु अस्पताल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, आंगनबाड़ी केन्द्र और स्कूल तथा अन्य सरकार की विभिन्न पेयजल संबंधी, बिजली संबंधी शिकायतों को सुना और संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। उन्होंने लोगों से शिक्षा, चिकित्सा पेयजल सप्लाई, बिजली सप्लाई, पानी की निकासी सहित तमाम जानकारियां भी ग्रामीणों से ली। ग्रामीणों ने गांव से सम्बंधित जो भी मांगे रखी।

सूर्य को हिंदू पौराणिक ग्रंथो में देवपुरुष माना गया है

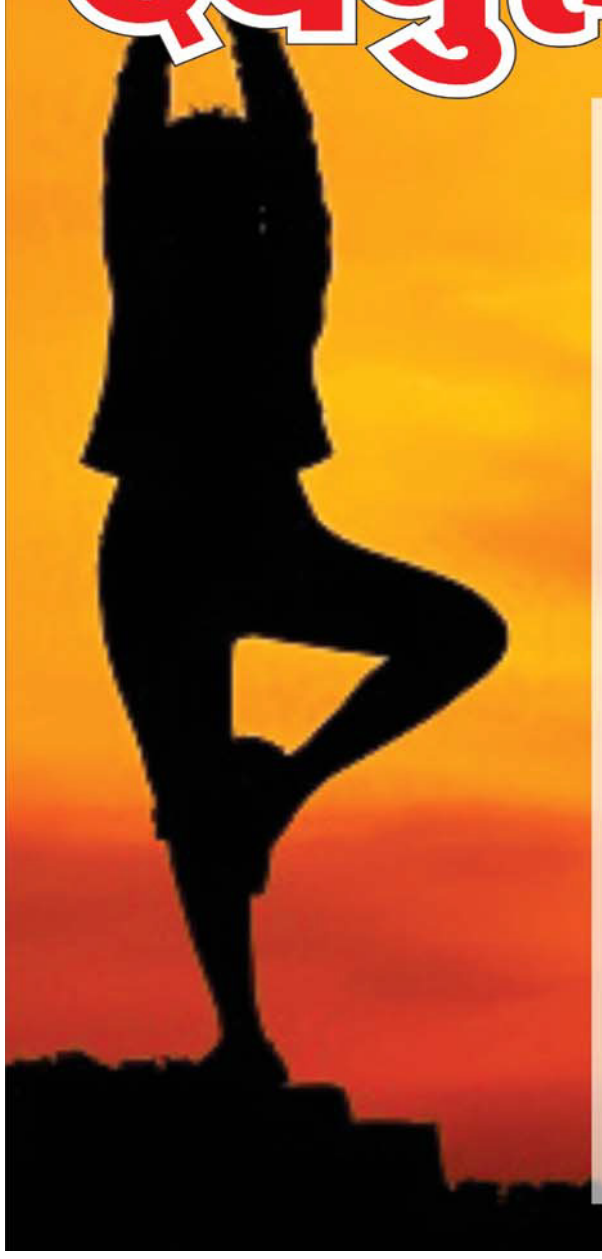

सूर्य को हिंदू पौराणिक ग्रंथो में देवपुरुष माना गया है। लेकिन सूर्य का ज्योतिष और आयुर्वेद में भी उल्लेख मिलता है। अमूमन लोगों की कुंडली में वो आप सूर्यकृत पीड़ा या रोगों से पीड़ित होते हैं ऐसे में वह जातक सूर्य तेल का उपयोग करें तो यह उनके लिए ब्रह्मास्त्र की तरह है। इसे घर पर भी बनाया जा सकता है। जिसकी एक आसान विधि है।

सूर्य तेल बनाने की विधि

आयुर्वेद्शास्त्र में वर्णित है कि सूर्य तेल बनाने के लिए 200 ग्राम सूरजमुखी व 200 ग्राम तिल का तेल लें। अब इसमें 4 ग्राम लौंग व 8 ग्राम केशर मिलाएं।

अब लाल रंग की कांच की बोतल में रखें।

यदि कांच की लाल बोतल उपलब्ध न हो तब, सफेद रंग की बोतल में इस मिश्रिण को रखें और बोतल के सिरे को लाल कपड़े या लाल रंग के कागज से ढंक दें।

इसे लगभग 15 दिनों तक सूर्य के प्रकाश में रखें। इस तरह सूर्य तेल बनकर तैयार हो जाएगा।

इन रोगों में करें उपयोग

यदि आप उच्च रक्तचाप या ह्दय रोग से पीड़ित हैं। तब पूरे शरीर पर सूर्य तेल की मालिश करने से लाभ मिलता है।

छोटे बच्चों की मालिश करने सूर्य तेल से करने पर उन्हें विटामिन डी पर्याप्त मात्रा में मिलता है।

सूर्य तेल का नियमित उपयोग भी कर सकते हैं, इससे चेहरे पर निखार और कान्ति बढ़ती है। जिससे आप सुंदर दिखने के चाह को पूरा कर सकते हैं।

कब करें उपयोग

सूर्य तेल बन जाने के बाद इसका उपयोग रविवार से शुरू करें।

प्रत्येक रविवार को इस सूर्य तेल के द्वारा शरीर पर मालिश करने से किसी भी तरह का सूर्यकृत रोग से मुक्ति मिलती है।

यदि इसे रोज उपयोग में नहीं ला सकते हैं, तो सप्ताह में एक बार यानी रविवार को इस सूर्य तेल का उपयोग जरूर करें।

आप सूर्य तेल का उपयोग महीने में एक बार सिर्फ रविवार के दिन भी कर सकते हैं।

चूंकि रविवार सूर्य देव का दिन माना जाता है इसलिए इस तेल की महत्ता और बढ़ जाती है।

स्वप्न में शिव के इन चिन्हों को देखने से होता है असीम लाभ

अगर आपमें पॉजिटिव एनर्जी यानि सकरात्मक विचार होंगे तो आपको आध्यात्मिक सपने ज़रूर आयेंगे और इसमें भी अगर आप भगवान् शिव या उनसे जुड़ा जैसे डमरू, त्रिशूल, मंदिर आदि सपने में देख रहे है तो इनके बहुत ही शुभ संकेत है द्य आयी जानते है ! स्वपन में शिवलिंग देखने का अर्थ है विजय, अपनी परेशानियों और दिक्कतों से छुटकारा पाना और धन, संपत्ति आदि से परिपूर्ण होना द्य शिवलिंग संकेत है पूर्णता का यानी अगर आपको भी इसके दर्शन स्वपन में हो रहे है तो आप भी खुद में पूर्णता का अनुभव करेंगे द्य शिवलिंग केवल जीवन की शक्ति को ही नहीं दर्शाता ये हमे सम्पूर्णता का भाव कराता है क्योंकि शिवलिंग का आधार महिला शक्ति पर है जो इसे पूर्ण करता है द्य शिव और पार्वती को एक साथ सपने में देखने का मतलब है कोई नया मौका या अवसर आपके दरवाज़े में दस्तक देने वाला है द्य हो सकता है आप बहुत जल्दी खुश खबरी सुने जैसे व्यवसाय में लाभ होना, संपत्ति में बढ़ोत्तरी होना, आदि द्य ये बेहद शुभ संकेत होता है तो अगर आपको भी ऐसे सपने आ रहे है तो कुछ लाभदायक होने वाला है शिव का नृत्य करता स्वरूप है जिसमे बेहद आक्रोश और आवेश हो उसे शिव तांडव कहते है तो अगर आपको भी ऐसे सपने आ रहे है तो इसका अर्थ है की आपकी समस्याओ का हल जल्द से जल्द निकलने वाला है या आप समस्याओ से जल्द ही निजात पा जायेंगे द्य एक अर्थ और भी है की आपको धन की प्राप्ति होगी लेकिन कुछ संघर्ष के बाद शिव के मंदिर को स्वपन में देखने का अर्थ है की आपको 2 पुत्र की प्राप्ति हो सकती है और एक संकेत ये भी है की आप जल्द ही अगर किसी बीमारी से ग्रसित है तो आप उससे छुटकारा पाने वाले है द्य कुछ लोगो को अर्ध सर के दर्द की बीमारी होती है और ऐसे में इस तरह का स्वपन आ जाए तो वो अमृत साबित होता है द्य मंदिर देखना धन का भी प्रतीक है शिव का त्रिशूल दर्शाता है की देवो के देव महादेव जागृत, स्वप्न और निद्रा से बहुत ऊपर है वो यानी वो इन तीन पर नियंत्रण रखते है द्य और अगर आपको त्रिशूल का स्वपन आता है तो इसका सम्बन्ध कही न कही भूत भविष्य और वर्तमान से है या आपका जन्म, ज़िन्दगी जो चल रही है और मृत्यु, त्रिशूल देखने से आप अपनी दुविधाओ और परेशानियों का खात्मा करते है शिव का अर्ध चन्द्र ज्ञान को दर्शाता है द्य तो अगर आप शिव को उनके अर्ध चन्द्र के साथ देख रहे है या फिर केवल अर्ध चन्द्र देख रहे है तो हो सकता है आपको अपने जीवन में कोई अहम फैसले लेने पड़ सकते है, इसका एक सम्बन्ध आपके शिक्षा के क्षेत्र से जुदा भी हो सकता है महादेव के तीसरा नेत्र जागरूकता और चौकस होने का प्रतीक है तो अगर आप ऐसा कुछ देख रहे है तो हो सकता है आपको कुछ ज़रूरी बदलाव करने पद सकते है अपनी ज़िन्दगी में शिव का डमरू ब्रह्मांड का प्रतीक है जो निरंतर बढ़ता और ढहता रहता है ये ध्वनि को भी दर्शाता है द्य तो अगर आपको शिव के डमरू के दर्शन हो रहे है सपने में तो आपके जीवन में सकरात्मक शक्ति का प्रवेश होने वाला है तो आपके प्रोफेशनल लाइफ में बेहद अहम भूमिका निभाएगा। आपका मस्तिक्ष ज्ञान का और ह्रदय प्रेम का प्रतीक है द्य गंगा मतलब ज्ञान जो आपकी अंतरात्मा को पवित्र करती है द्य तो अगर ऐसा कुछ आप स्वपन में देख रहे है तो आप प्रेम, ज्ञान और समृद्धि से समृद्ध होने वाले है द्य

कैसे बनता है कालसर्प दोष, क्या है इसका निवारण

विधाता हमारे सभी कर्मों को देखता है द्ध हमारे कर्मों के अनुसार ही वह हमारे जीवन का लेख लिखता है द्ध विधाता का लेख हम कुण्डली से जान पाते हैं द्ध कुन्डली में शुभ योगों की मौजूदगी हमारे शुभ कर्मों का फल होता है और अशुभ योग बुरे कर्मों का फल द्ध कालसर्प दोष (कालसर्प दोष) भी ऐसा ही योग है जो पूर्व जीवन में किये गये हमारे कर्मों से इस जन्म में हमारी कुण्डली में निर्मित होता है द्ध इस योग में मूल रूप से दो ग्रह राहु केतु की भूमिका प्रमुख होती है द्ध इन्हीं दोनों ग्रहों के प्रभाव से कालसर्प दोष बनता है द्ध

राहु केतु और काल सर्प दोष

राहु केतु अशुभ और पीड़ादायक ग्रह माने जाते हैं द्ध धर्मशास्त्र एवं ज्योतिषशास्त्र में कई स्थान पर यह उल्लेख आया है कि यह दोनों ग्रह भले दो हैं परंतु वास्तव में यह एक ही शरीर के दो भाग हैं द्ध इनका शरीर सर्प के आकार का है राहु जिसका सिर है और केतु पूंछ द्ध अंग्रेजी भाषा में राहु को ड्रैगन हेड और केतु को ड्रैगन टेल कहा गया है द्ध ज्योतिषशास्त्र में जिन नौ ग्रहों की चर्चा की जाती है उनमें राहु और केतु ही मात्र ऐसे ग्रह हैं जो सदैव वक्री चाल चलते हैं शेष सभी ग्रह मार्गी और वक्री होते रहते हैं द्ध

सूर्य, चन्द्र, मंगल, बुध, गुरू, शुक्र, शनि ये सभी ग्रह जब गोचर में भ्रमण करते हुए राहु और केतु के बीच में आ जाते हैं उस समय जिस व्यक्ति का जन्म होता है उसकी कुण्डली में कालसर्प योग बनता है द्ध यह योग अशुभ फलदायक होने के कारण कालसर्प दोष कहलाता है द्ध इस दोष की चर्चा जैमिनी, पराशर, वराहमिहिर, बादरायण, गर्ग एवं बादरायण ऋषियों ने भी किया है द्ध राहु केतु के बीच में आ जाने के कारण शेष सातों ग्रहों की शक्ति कमज़ोर पड़ जाती है जिससे वह अपना पूर्ण शुभ फल नहीं दे पाते हैं द्ध इस दोष के विषय में विद्वानों ने यह भी कहा है कि जब सातों ग्रहों में से कोई भी एक या दो ग्रह राहु और केतु के चक्र से बाहर निकल आते हैं तब कालसर्प योग नहीं बनता है द्ध लेकिन, इसमें ध्यान रखने वाली बात यह है कि जो ग्रह राहु केतु के चक्र से बाहर हों उनका

अंश राहु केतु से अधिक होना चाहिए। यदि, उन ग्रहों का अंश राहु केतु से कम है तो कुण्डली कालसर्प दोष से प्रभावित ही मानी जाएगी द्ध कालसर्प दोष के विषय में कुछ ज्योतिषशास्त्रियों का मानना है कि कालसर्प दोष की जांच करते हुए इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि जन्मपत्री में यदि राहु केतु द्वितीय, षष्टम, अष्टम या एकादश में हो और सभी एक ही तरफ एक गोलर्द्ध में हो तब कालसर्प दोष मानना चाहिए द्ध जबकि, सातों ग्रहों एक ही ओर इसके विपरीत दिशा में हों तब कालसर्प दोष की बजाय अर्धचन्द्र योग बनता है द्ध आधुनिक समय के कुछ ज्योतिषी इस योग के निर्माण के विषय में यह भी कहते हैं कि शुभ ग्रहों का कम अंशों पर होना, शुभ ग्रहों का नीच स्थिति में होना, पाप ग्रहों से दृष्ट होना, केन्द्र एवं त्रिकोण में स्थित ग्रहों का किसी भी भी तरह से अशुभ होना, शुभ ग्रहों का अशुभ ग्रहों से दृष्ट होना भी कालसर्प दोष के समान ही फल देता हे अत- इन्हें भी कालसर्प दोष के रूप में मानना चाहिए द्ध

कालसर्प दोष की शांति के हेतु पूजन

कालसर्प दोष की शांति का पूजन विधि-विधान से होता है। यह एक कष्टकारक योग है इसलिए इसके पूजन में अनेक प्रकार की सावधानियां, नियम-संयम का ध्यान रखा जाता है। अगर उन बातों का ध्यान नहीं रखा जाए एवं पूजा-पाठ करा दी जाए तो उसके पूजन का संपूर्ण लाभ जातक को प्राप्त नहीं होता एवं उसकी समस्याएं ज्यों की त्यों बनी रहती है इसलिए इसका पूजन पंडित सुनीलजी उपाध्याय से संपर्क कर ही करवाना चाहिए। इसका पूजन किसी नदी के किनारे या शंकरजी के स्थान पर ही किया जाना चाहिए। इसका पूजन कभी भी किसी जातक के घर में नहीं कराया जा सकता यह शास्त्र विरूद्ध है। इसके पूजन की विधि तीन घंटों की होती है। यानि की यह विधि एक ही दिन में पूर्ण हो जाती है।

पूजन-विधि

कालसर्प एवं राहु की प्रतिमाओं को कलश पर स्थापित कर पूजा प्रारंभ की जाती है। स्वर्ण के नौ नाग, कालसर्प एवं राहु की प्रतिमा, उन्हे भाने वाले अनाज, दशधान्य, हवन सामग्री, पिंड आदि तैयार करने के पश्चात् पूजा संपन्न होती है। इस पूजन में संकल्प, गणपति पूजन, पुण्याहवाचन, मातृपूजन, नांदीश्राद्ध, नवग्रह पूजन, होम-हवन आदी किये जाते है। इस पूजन हेतु स्वयं के लिए नए वस्त्र, ब्राहमण के लिए नए वस्त्र, एवं ब्राहमण को दक्षिणा दी जाती है। कालसर्प दोष की शांति के लिए राहु, काल और सर्प तीनों की पूजा, मंत्रजाप, दशांश होम, ब्राहमण भोजन, दान आदि अनवार्य रूप से करना होता है।

शनि के अशुभ प्रभाव कैसे करें कम

शनि देव न्यायप्रिय राजा अगर आप बुरे काम नहीं करते हैं किसी से धोखा, छल-कपट आदि नहीं करते हैं तो इस ग्रह से डरने की कोई जरूरत नहीं है। शनिदेव आप से प्रसन्न रहें इसके लिए करें ये उपाय;

- शनि के अशुभ प्रभाव को दूर करने के लिए तिल का तेल एक कटोरी में लेकर उसमें अपना मुंह देखकर शनि मंदिर में रख आएं (जिस कटोरी में तेल हो उसे भी घर ना लाएं)। कहते हैं तिल के तेल से शनि विशेष प्रसन्न रहते हैं।
- सवापाव साबुत काले उड़द लेकर काले कपड़े में बांध कर शुक्रवार को अपने पास रखकर सोएं। ध्यान रहे अपने पास किसी को भी ना सुलाएं। फिर शनिवार को उसे शनि मंदिर में रख आएं।
- काला सुरमा एक शीशी में लेकर अपने ऊपर से शनिवार को नौ बार सिर से पैर तक किसी से उतरवा कर सुनसान जमीन में गाड़ देवें।
- शनि का कोई रत्न बिना किसी सलाह के न पहनें, ना ही लोहे का बना छल्ला पहने। बिना परामर्श के इन्हें पहनने से शनि का कुप्रभाव और बढ़ सकता है।
- शनि मंत्र का जप भी किया जाए तो काफी हद तक शनि के कुप्रभाव से बचा जा सकता है।

मंत्र- ? प्रां प्रीं प्रौं सः शनये नमः।

शनि शिंगणापुर मंदिर के बाद अब नासिक के त्र्यंबकेश्वर मंदिर के गर्भगृह में महिलाओं के प्रवेश की मांग की गई है। महिलाओं के इस अधिकार की लड़ाई लड़ने वाली भूमाता ब्रिगेड ने मांग की है कि शिवरात्रि से पहले महिलाओं को यह अधिकार दिया जाए। इससे पहले भूमाता ब्रिगेड ने शनि शिंगणापुर मंदिर में महिलाओं के प्रवेश की मांग की थी। लंबे विचार-विमर्श के बाद हाल ही में मंदिर प्रबंधन ने यह कहते हुए अनुमति दी है कि जब पुरुष प्रवेश करेंगे तो महिलाएं भी जा सकेंगी। ट्रस्टियों के मुताबिक, शनि की शिला के पास तो फिलहाल पुरुष भी नहीं जाते हैं लेकिन अगर पुरुष जाएंगे तो महिलाओं को भी जाने की इजाजत मिलेगी। ट्रस्टियों ने शनि भगवान की पूजा करने के लिए महिलाओं को आमंत्रित किया है और कहा है कि महिलाएं भी वैसे ही पूजा करेंगी जैसे सभी लोग करते हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को यहां अब कोई नहीं रोकेगा। वो पूजा कर सकती हैं। इस मामले को लेकर स्वामी दीपांकर ने मंदिर के ट्रस्टियों और सीईओ से मुलाकात की थी। परंपरा के मुताबिक, शनि मंदिर में 400 साल से किसी महिला को शनि देव के चबूतरे पर जाकर तेल चढ़ाने या पूजन करने की इजाजत नहीं है।

शिव के कौन से स्वरुप के पूजन से पूर्ण होती हैं कौन सी इच्छाएं

आमतौर पर भगवान शिव की पूजा शिवलिंग के रूप में की जाती है लेकिन भगवान शिव की मूर्ति पूजन का भी अपना ही एक महत्व है। श्रीलिंग महापुराण में भगवान शिव की विभिन्न मूर्तियों के पूजन के बारे में बताया गया है। ✦ कार्तिकेय के साथ भगवान शिव-पार्वती की मूर्ति की पूजा करने से मनुष्य की सभी कामनाएं पूरी हो जाती हैं। मनुष्य को सुख-सुविधा की सभी वस्तुएं प्राप्त होती हैं, सुख मिलता है। ✦ जिस मूर्ति में भगवान शिव एक पैर, चार हाथ और तीन नेत्रों वाले और हाथ में त्रिशूल लिए हुए हों। जिनके उत्तर दिशा की ओर भगवान विष्णु और दक्षिण दिशा की ओर भगवान ब्रह्मा की मूर्ति हो। ऐसी प्रतिमा की पूजा करने से मनुष्य सभी बीमारियों से मुक्त रहता है और उसे अच्छी सेहत मिलती है। ✦ भगवान शिव की तीन पैरों, सात हाथों और दो सिरों वाली मूर्ति जिसमें भगवान शिव अग्निस्वरूप में हों, ऐसी मूर्ति की पूजा-अर्चना करने से मनुष्य को अन्न की प्राप्ति होती है। ✦ जो मनुष्य माता पार्वती और भगवान शिव की बैल पर बैठी हुई मूर्ति की पूजा करता है, उसकी संतान पाने की इच्छा पूरी होती है। ✦ भगवान शिव की अर्द्धनारीश्वर मूर्ति की पूजा करने से अच्छी पत्नी और सुखी वैवाहिक जीवन की प्राप्ति होती है। ✦ जो मनुष्य भगवान शिव की उपदेश देने वाली स्थिति में बैठे भगवान शिव की मूर्ति की पूजा करता है, उसे विद्या और ज्ञान की प्राप्ति होती है। ✦ नन्दी और माता पार्वती के साथ सभी गणों से घिरे हुए भगवान शिव की ऐसी मूर्ति की पूजा करने से मनुष्य को मान-सम्मान की प्राप्ति होती है। ✦ माता पार्वती सहित नृत्य करते हुए, हजारों भुजाओं वाली भगवान शिव की मूर्ति की पूजा करने से मनुष्य जीवन के सभी सुखों का लाभ लेता है। ✦ चार हाथों और तीन नेत्रों वाली, गले में सांप और हाथ में कपाल धारण किए हुए, भगवान शिव की सफेद रंग की मूर्ति की पूजा करने से धन-संपत्ति की प्राप्ति होती है। ✦ काले रंग की, लाल रंग के तीन नेत्रों वाली, चंद्रमा को गले में आभूषण की तरह धारण किए हुए, हाथ में गदा और कपाल लिए हुए शिव मूर्ति की पूजा करने से मनुष्य की सभी परेशानियों खत्म हो जाती है। रुके हुए काम पूरे हो जाते है। ✦ ध्यान की स्थिति में बैठे हुए, शरीर पर भस्म लगाए हुए भगवान शिव की मूर्ति की पूजा करने से मनुष्य के सभी दोषों का नाश होता है। ✦ दैत्य जलंधर का विनाश करते हुए, सुदर्शन चक्र धारण किए भगवान शिव की मूर्ति की पूजा करने से शत्रुओं का भय खत्म होता है। ✦ जटा में गंगा और सिर पर चंद्रमा को धारण किए हुए, बाएं ओर गोद में माता पार्वती को बैठाए हुए और पुत्र कार्तिकेय और गणेश के साथ स्थित भगवान शिव की ऐसी मूर्ति की पूजा करने से घर-परिवार के झगड़े खत्म होते है और घर में सुख-शांति का वातावरण बनता है। ✦ हाथ में धनुष-बाण लिए हुए, रथ पर बैठे हुए भगवान शिव की पूजा करने से मनुष्य को जाने-अनजाने किए गए पापों से मुक्ति मिलती है। ✦ जिस मूर्ति में भगवान शिव दैत्य निकुंभ की पीठ पर बैठे हुए, दाएं पैर को उसकी पीठ पर रखे और जिनके बाईं ओर पार्वती हों। ऐसी मूर्ति की पूजा करने से शत्रुओं पर विजय मिलती है।

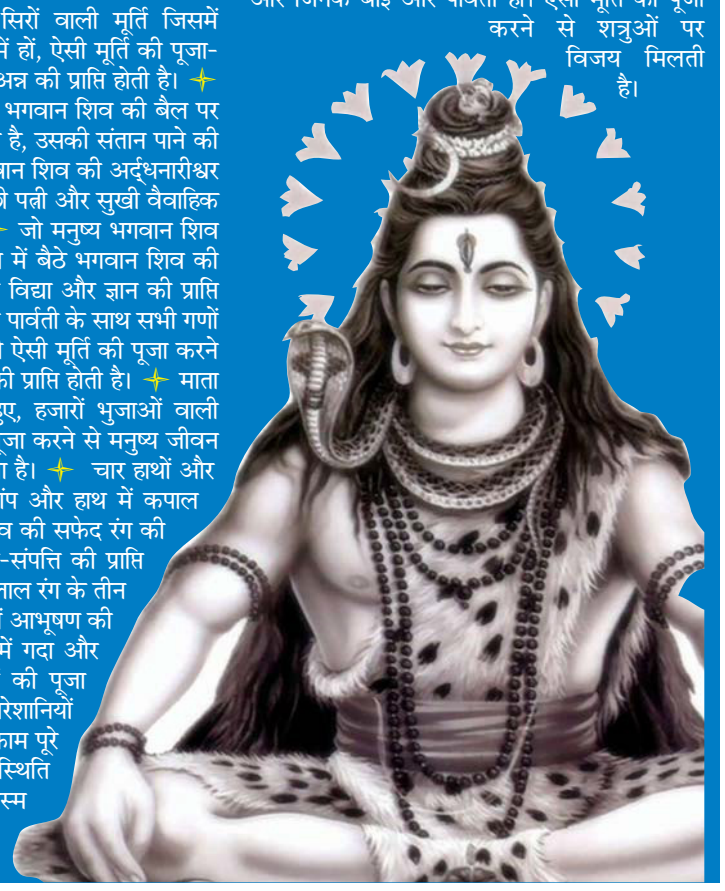

How does the monsoon cause an increase in kidney diseases?

How does the monsoon cause an increase in kidney diseases?

The rainy season is easily one of the most awaited times. However, if proper caution and precautions are not maintained, it can cause various health problems, including those impacting a person's long-term health and well-being. Kidney problems increase dramatically during the monsoon season, and some of the common ones include the following:

ACUTE KIDNEY INJURY (AKI)

Dr. Atul Ingale, Director-Nephrology & Consultant-Transplant Physician, Hiranandani Hospital Vashi – A Fortis Network Hospital says, "A sudden decline in Kidney function; various factors, including infections, dehydration, and poisoning, can cause AKI. This condition is more common during the monsoon season, as people are more likely to be exposed to contaminated water and food. Some symptoms of AKI include fatigue, diarrhoea, dehydration, and drowsiness."

LEPTOSPIROSIS

A bacterial infection, Leptospirosis generally spreads through contact with contaminated water or soil. This bacterium can then enter the body through cuts or abrasions in the skin, eyes, nose, or mouth. Some symptoms of Leptospirosis include fever, headache, muscle aches, and vomiting. In some cases, Leptospirosis can lead to Kidney failure.

DENGUE

A mosquito-borne viral infection, Dengue causes many symptoms, including fever, headache, muscle aches, and rash. Although most Dengue cases can be treated at home with medications, in some cases, Dengue can lead to severe complications, such as Dengue Hemorrhagic Fever, which can damage

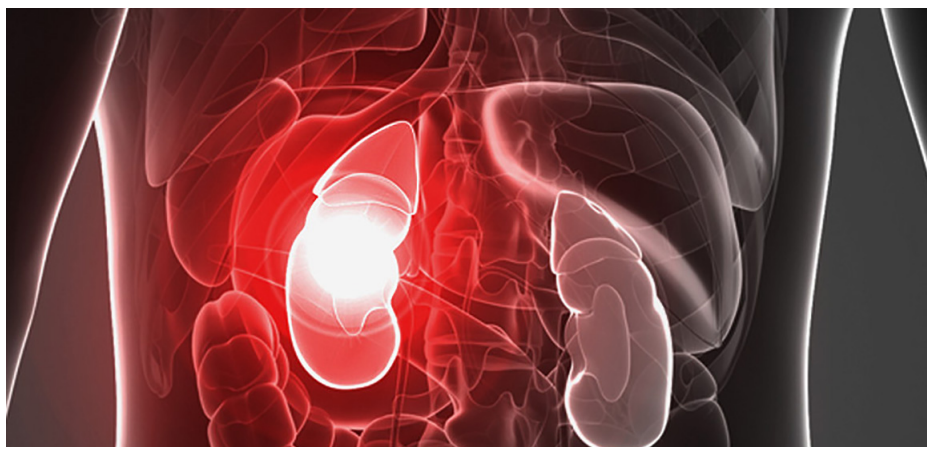

the Kidneys.

TYPHOID

According to Dr. Ingale, "A bacterial infection that can be spread through contaminated food or water. Typhoid bacteria can spread through the bloodstream, making it highly dangerous and fatal. The bacterium Salmonella Typhi is the bacteria that causes Typhoid, which has a range of symptoms, including fever, headache, muscle aches, and fatigue. In some cases, Typhoid can lead to Kidney failure."

"It is important to note that not everyone who contracts a monsoon disease will experience Kidney problems. However, people with underlying Kidney disease have a vulnerable immunity system which puts them at a higher risk of developing Kidney problems if they contract any of the above monsoon diseases,"says Dr. Ingale.

What are some monsoon diseases that can raise a risk of CKD

Diarrhea

Diarrhea can cause dehydration, which can be dangerous for people with CKD. This condition can make it difficult for a person to absorb nutrients, further damaging the Kidneys.

Malaria

is a mosquito-borne disease that can cause fever, chills, and other symptoms. It can also damage the Kidneys, especially in people with CKD.

Typhoid

A bacterial infection, some symptoms of Typhoid fever are fever, headache, nausea, weakness, and stomach pain. It can also damage the Kidneys, especially in people with CKD.

Hepatitis A

According to Dr. Ingale, "A viral infection, Hepatitis A can cause Liver damage. This can be especially dangerous for people with CKD, as their Kidneys may not be able to filter out the toxins released from the damaged Liver."

Hepatitis B

A viral infection, Hepatitis B can also cause Liver damage. Like hepatitis A, this can be especially dangerous for people with CKD.

Tips to prevent kidney damage during the monsoon season

If you are experiencing any symptoms of a monsoon disease, it is essential to see a doctor immediately. Remember that early diagnosis and treatment can help to prevent serious complications, including kidney failure. Some other tips help to protect your kidneys during this season include:

- **Drinking plenty of fluids will go a long way to prevent dehydration**
- **Avoid swimming in or drinking from stagnant water**
- **Wash your hands frequently with soap & water**
- **Using insect repellent helps to protect against mosquito bites, which can transmit Malaria and other diseases**
- **Cooking food thoroughly is highly recommended as it is an effective method to kill any harmful bacteria that may be present**
- **Avoid coming in contact with sick people**
- **If you are taking medications, make sure to take them as directed**
- **Getting vaccinated can help protect you from these diseases**

"If you have any form of Kidney disease, whether AKD or CKD, keep an eye out for any of the above symptoms and seek help from a specialist if you develop any of them. If ignored, these symptoms can quickly become a severe infection, and early treatment is essential to prevent further Kidney damage,

Is it better to eat before or after drinking alcohol?

Alcohol enters your bloodstream through the stomach and small intestine. If your stomach is empty, the alcohol will enter your bloodstream faster. This will make you tipsy faster, making it harder to manage your drinking. Continue reading to learn more about why it is a good idea to eat before your first drink.

Did you eat first??

There are many benefits of eating food before consuming alcohol. First, the water content of the food present in your stomach dilutes the alcohol. Second, the proteins, fats, and fiber contents of the food already present in the stomach will slow down the absorption of the alcohol. Lastly, healthy food will provide your body with vitamins and minerals that alcohol depletes.

What about eating during drinking sessions??

If you want to eat while drinking alcohol, avoid salty snacks. These can make you thirsty, so you will be more likely to drink more. It is also important to drink water before and between alcoholic drinks to prevent dehydration.

Best foods to eat before drinking

The best foods to eat before drinking include fruit and vegetables with a high water content. You can consume cucumber, tomatoes, bell peppers, and radishes. If it feels too healthy, eat these veggies with hummus and you have a nourishing starter to pack your stomach with, before you drink. If you want to eat fruit, choose a banana or two. It is rich in fiber, water content as well as nutrients.

How long before drinking should I eat??

It is important to eat a little before your first drink. If you consume them together, then alcohol will immediately be absorbed into the stomach. For the food to slow the absorption rate of alcohol, eat it at least 15 minutes before taking the first sip of your drink.

Is there any benefit of eating after drinking??

Many people believe that drinking water or eating food directly after a session of heavy drinking can help avoid a hangover.

Dengue Symptoms

136 dengue cases reported in Delhi; learn about warning signs of infection

With the onset of monsoon, Delhi has been witnessing heavy rains over the past few days – drowning cars, turning roads to rivers and even taking lives. The collection of more standing water increases the number of cases of several mosquito-borne diseases such as dengue. "Dengue is a viral disease, transmitted by the infective bite of a particular mosquito known as Aedes aegypti," explains Dr Tushar Tayal, Consultant- Internal Medicine, CK Birla Hospital, Gurugram. "It occurs in two forms: classical dengue fever, also known as "break bone" fever and dengue haemorrhagic fever (DHF) which is life threatening." The infected female mosquitoes can infect people both indoors and outdoors during the daytime (from dawn to dusk), shares Dr Tayal.Dengue cases recorded in Delhi According to data shared by civic authorities, 136 cases of dengue have been recorded in Delhi this year till July 8. Out of the 136 cases recorded so far this year – 40 were logged in June, 23 in May, and 14 cases have been reported from July 1-8.

Early warning symptoms

"Human beings develop disease after 5-6 days of being bitten," Dr Tayal explains, adding, "The infection is characterized by flu-like symptoms which include a sudden high-grade fever coming in separate waves, pain behind the eyes, muscle, joint and bone pain, severe headache, abdominal fullness and discomfort and a skin rash with red spots which happens by the 5th day of illness."

What to do if you have dengue?

Dr Pradeep Kawatra, Consultant, Internal Medicine, Fortis Escorts, Okhla Road, New Delhi, explains some important things to take care of if you have dengue.

"So first and foremost is the hydration part. We tell the patient to keep himself or herself fully hydrated" by consuming "lots of liquids". One is advised to consume a "light" or "bland" diet. Lastly, it is important to take rest.

Treatment

"Treatment includes supportive care at home in the form of paracetamol for fever, antiemetic for nausea and adequate fluid intake. There is no antiviral treatment available and there is no role of antibiotics," explains Dr Tayal. "Painkillers like aspirin, ibuprofen should be avoided," adds Dr Kawatra.

How long does it take to recover from dengue?

"The period is two to seven days and the crucial days are fourth and fifth days when the fever settles down and during that period on the fourth or fifth day the platelet count falls and then you have to be very careful and look for the rash on the body," shares Dr Kawatra. "So you should not have a rash. If you get a rash on the third, fourth, or fifth day then you must check your platelet count. That is very important."

Prevention tips to avoid getting infected

"Following basic precautions and taking timely medical opinion goes a long way in preventing unnecessary hospitalization and complications," says Dr Tayal. Here are some preventive measures that can be taken to avoid dengue:

Use a repellent containing 20%-30% DEET or 20% Picaridin on exposed skin.

Wear neutral-colored (beige, light gray) long-sleeved, breathable garments.

Get rid of water containers around dwellings and ensure that door and window screens work properly.

Gum disease is linked to heart problems

learn to recognize signs and ways of preventing gum disease

According to health experts, poor oral health is associated with an increased risk of heart disease. It is also linked with a higher incidence of diabetes and high blood pressure, which also increase your risk for heart disease. Gum disease is also associated with stroke, which is often driven by the same process that causes the majority of cases of heart attacks: atherosclerosis – buildup of fats, cholesterol and other substances in and on the artery walls.

Symptoms of periodontal disease?

Periodontal disease, also called gum disease, refers to inflammation and infection of the tissues that support your teeth. Here are some symptoms to note, according to Mayo Clinic:

Reddish or purplish gums
Bleeding
Soreness
Bad breath
Unpleasant taste
Pain when chewing
Gums that pull away from your teeth
Loose teeth
A change in the way your teeth fit together

What causes gum disease??

According to health experts, buildup of dental plaque is the No. 1 cause of periodontal disease. Plaque contains many different kinds of bacteria that can potentially infect the gums. So, poor oral hygiene can increase your

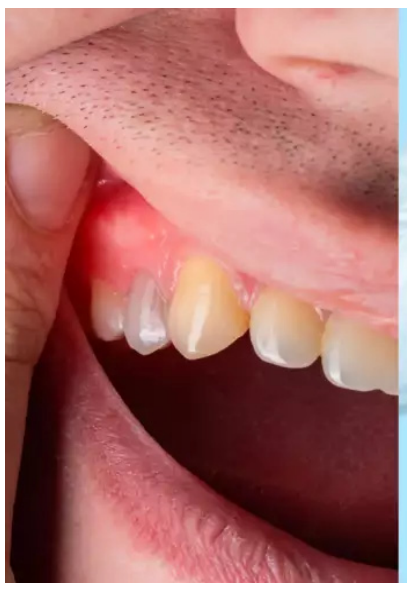

chances of gum disease. In some people, genes might play a role in gum disease by changing the way their immune system responds to the bacteria.

How to prevent gum disease?

Regular dental hygiene is the key to preventing gum disease. This involves brushing twice a day for two minutes, replacing your toothbrush after its bristles become worn, floss to remove plaque build-up between teeth, and see a dentist twice a year for a cleaning. If the gums bleed, do not ignore it and see a dentist.

Does treating gum disease reduce the risk of heart disease??

The association between gum disease and other health problems such as heart disease is quite clear. However, there is little evidence at present to prove for sure that dental scaling and cleaning procedures can reduce the risk of heart disease.

Is gum disease contagious?

The bacteria that cause gum disease can pass from one person to another through repeated and long-term contact through saliva (such as kissing). The chances of contracting gum disease from someone also increases if you drink out of the same cup or share utensils with them.

5 Ayurveda-approved foods to manage high blood sugar in diabetics

Diabetes is a chronic metabolic disease that affects millions of people worldwide. With the increasing prevalence of diabetes, it has become imperative to explore alternative treatment options that complement conventional medical interventions. India alone has seen a 44% increase in diabetic cases over the last four years and about 100+ million people are affected by diabetes. Combined with a healthy lifestyle, proper nutrition, and regular exercise, Ayurvedic herbs can contribute to better blood sugar control and improve the overall quality of life for individuals living with diabetes. Dr. Kriti Soni, R&D Head, Kapiva says, "Ayurveda, an ancient system of medicine originating from India, offers a holistic approach to managing diabetes. Ayurvedic herbs have gained recognition for their potential for blood sugar regulation and can serve as valuable adjuncts to

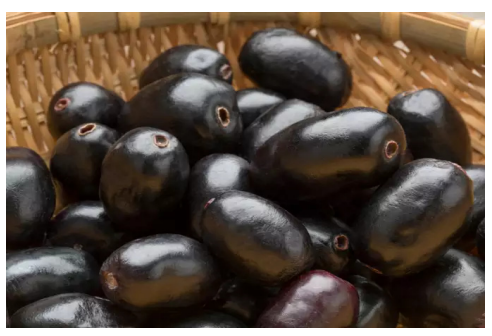

conventional therapies. Here is a list of Ayurvedic herbs for the natural management of diabetes."

- **Karela**

Karela, also known as Bitter Melon, has long been used in Ayurveda for its anti-diabetic properties. It contains an insulin-like compound called polypeptide-p, which helps lower blood sugar levels. Bitter melon also aids in improving glucose utilisation and stimulating insulin secretion, making it an excellent choice for diabetes management.

- **Jamun**

"Jamun, also known as Indian blackberry or black plum, has hypoglycemic effects, aiding in lowering blood sugar levels. It contains bioactive compounds like anthocyanins, ellagic acid, and polyphenols, which further aid the process. Consumption of jamun or its juice helps regulate blood glucose levels, improve insulin sensitivity, and reduce the risk of diabetic complications. Its high dietary fibre content slows down sugar absorption, promoting better glycemic control. Including jamun in a balanced diet can effectively manage diabetes," says Dr. Soni.

- **Giloy**

Giloy exhibits hypoglycemic effects by stimulating insulin secretion and improving insulin sensitivity, helping to regulate blood sugar levels. Additionally, its anti-inflammatory properties can reduce inflammation and enhance insulin sensitivity. Giloy's antioxidant property helps protect pancreatic beta cells and counteract the oxidative stress associated with diabetes. Incorporating Giloy into a comprehensive diabetes management plan may provide additional support for maintaining stable blood sugar levels and promoting overall well-being.

- **Indian Gooseberry (Amla)?**

According to Dr. Soni, "Indian Gooseberry, or Amla, is a potent Ayurvedic herb that offers numerous health benefits, including blood sugar regulation. It is rich in vitamin C and antioxidants, which help improve pancreatic function and enhance insulin secretion. Amla also aids in reducing oxidative stress and inflammation, which are often associated with diabetes."

- **Gudmar**

Gudmar, also known as Gymnema Sylvestre, has been recognised for its potential role in managing diabetes naturally. It may help control blood sugar levels by reducing glucose absorption and enhancing insulin sensitivity. Additionally, Gudmar has been associated with managing sugar cravings and supporting pancreatic health.

While Ayurvedic herbs cannot replace conventional medical treatments for diabetes, they can play a significant role in managing blood sugar regulation and overall diabetes naturally. The herbs mentioned above offer a range of potential benefits, from improving insulin sensitivity to reducing oxidative stress.

विपक्ष के पास प्रदेश स्तर का भी संगठन नहीं हमारे पास बूथ प्रमुख से लेकर पन्ना प्रमुख तक है: ओमप्रकाश धनखड़

● भाजपा की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं: कृष्ण पाल गुर्जर ● भाजपा का हर पन्ना प्रमुख पार्टी की रीड की हड्डी है: मूलचंद शर्मा

अतुल्य लोकतंत्र/दीपक कुमार शर्मा

बल्लभगढ़/फरीदाबाद। बल्लभगढ़ विधानसभा में आज प्रदेश के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा के द्वारा अनाज मंडी में आयोजित किए गए पन्ना प्रमुख सम्मेलन में मुख्य अतिथि पहुंचे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भाजपा सरकार ने पिछले 9 वर्षों के सफल सेवाकाल में महिला सशक्तिकरण, देश की सीमाओं को सुरक्षित करने और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के लिए ऐतिहासिक कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि 9 साल के सफल सेवा काल में बूथ स्तर और पन्ने तक मोर्चा का प्रभावी ढंग से विस्तार कर भाजपा ने जनकल्याणकारी नीतियों और नीति को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का काम किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने बल्लभगढ़ से विधायक मूलचंद शर्मा की पीठ थपथपाते हुए कहा कि उन्होंने पन्ना प्रमुख सम्मेलन आयोजित कर सभी पन्ना प्रमुखों का जो मान सम्मान बढ़ाया है बहुत ही सराहनीय कार्य है। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा हर विधानसभा क्षेत्र में सम्मेलन आयोजित कर मोदी मनोहर सरकार की उपलब्धियों की जानकारी जन जन तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है श्री धनखड़ ने कहा कि आज भाजपा सेवा भाव की नीति से कार्य कर रही है उन्होंने कहा कि भाजपा राज में हर घर शौचालय, रसोई गैस, नल से जल, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम, तीन तलाक पर कानून, पंचायती राज संस्थाओं में बराबर की भागीदारी सहित ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने बल्लभगढ़ विधानसभा के पन्ना प्रमुख सम्मेलन के सफल आयोजन पर भी परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा को मंच से बधाई दी। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने उपस्थित पन्ना प्रमुख सम्मेलन में सभी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक ऐसी पार्टी है जो एक-एक कार्यकर्ता को कंधे से मिलाकर आगे लेकर चलती है उन्होंने कहा कि आज देश और प्रदेश में जमकर विकास कार्य हुए हैं हरियाणा सहित पूरे देश में नए नेशनल हाईवे का जाल बिछाया गया, मेडिकल कॉलेज, एयरपोर्ट, आईआईटी, रेलवे का इलेक्ट्रिफिकेशन, हर घर नल और नल में जल योजना, अंत्योदय योजना, रसोई गैस, आयुष्मान कार्ड , खिलौने बनाना, आत्मनिर्भर भारत निति के तहत सेना के लिए सामान बनाना ऐसी अनेकों विकास योजनाओं को धरातल पर लागू किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व ने देश और प्रदेश को नई दिशा देने का काम किया है। भारत दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन गया है और 2027 में दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति होगा। हमारा देश इसी गति के बढ़ता गया तो आने वाले 2050 में अमेरिका को पीछे छोड़ भारत चाइना के बराबर आर्थिक शक्तिशाली देश होगा। मोदी जी कहते है कि देश आगे तभी बढ़ेगा जब देश को आगे बढ़ाने की सोच के साथ कार्य होंगे। जब अमेरिका का राष्ट्रपति जो बाइडेन मोदी जी से उनके ऑटोग्राफ मांगता है। ऑस्ट्रेलिया का राष्ट्रपति कहता है मोदी बॉस और किसी दूसरे देश का प्रधानमंत्री मोदी जी के पैरों को छूता हो। जब इटली की प्रधानमंत्री कहती है मोदी से ज्यादा लोकप्रिय नेता कोई नहीं तो यह सब सुनकर हम देशवासियों का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। बल्लभगढ़ से विधायक और हरियाणा में परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने कार्यक्रम में पहुंचे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश धनखड़ और केंद्रीय राज्य मंत्री श्री कृष्ण पाल गुर्जर और संगठन मंत्री श्री रविंद्र राजू का स्वागत किया। परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि भाजपा का हर पन्ना प्रमुख पार्टी की रीड की हड्डी है, उन्होंने कहा कि जब बूथ स्तर पर पन्ना प्रमुख मजबूत होगा तो देश और प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी मजबूत होती है उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश के विकास और उन्नति पर ले जाने वाली नीति लेकर चल रही भाजपा सरकार की रीति और नीति आमजन को आकर्षित कर रही है और भाजपा का पन्ना प्रमुख जनकल्याणकारी नीतियों को लेकर आमजन तक पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा राज में योग्यता के आधार पर नौकरियां लेकर आज अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का बच्चा भी लाभ ले रहा है। उन्होंने कहा कि देश प्रदेश में सुशासन देने के साथ साथ भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने का कार्य कर रही भाजपा सरकार की अंत्योदय योजना,सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास लेकर देश हित के कार्य की धमक देश और दुनिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देखी जा रही है आज देश और दुनिया की नजरें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर है जहां देश का सम्मान बढ़ा है वही देश की सीमाएं भी सुरक्षित हाथों में है। पन्ना प्रमुख सम्मेलन में कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर राष्ट्रगीत के साथ की गई वहीं समापन अवसर पर राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ । इस कार्यक्रम में भाजपा के जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा, बड़खल से विधायक सीमा त्रिखा, पूर्व में मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव रहे अजय गौड़, हरको बैंक के चेयरमैन हुकम सिंह भाटी, पूर्व विधायक राजेंद्र बीसला, टिपरचंद शर्मा, सोहनपाल छोकर सहित भाजपा जिला पदाधिकारी गण और देव तुल्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फरीदाबाद में किया भूमि अधिग्रहण से संबंधित लोक अदालत का आयोजन: सीजेएम सुकिर्ती गोयल

लोक अदालत में रखे गए 50 केसों में से 37 केसों का हुआ निपटारा लोगों की आपसी सहमति से

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। जिला फरीदाबाद के सत्र न्यायाधीश एवं चेयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री वाई एस राठौर के निर्देशानुसार मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी श्रीमती सुकीर्ति एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की देखरेख में आज शनिवार को जिला अदालत सेक्टर - 12 में भूमि अधिग्रहण से संबंधित लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस लोक अदालत में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश संजय शर्मा की एक बेंच बनाई गई। जिसमें 50 केस रखे गए। जिनमें से 37 केसों का निपटारा आपसी सहमति से लोक अदालत में किया गया। सुकीर्ति गोयल ने बताया ने बताया कि लोक अदालत में केस का फैसला होने पर जिसकी सुप्रीम कोर्ट तक कोई अपील नहीं होती। वहीं कोर्ट फीस वापस हो जाती है तथा केस का फैसला हमेशा हमेशा के लिए हो जाता है। जिससे पैसे व समय की बचत होती है तथा आपस में प्रेम भाव बना रहता है। बता दें हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन एवं न्यायमूर्ति पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट चंडीगढ़ श्री अरुण पल्ली के दिशा निर्देशानुसार यह भूमि अधिग्रहण लोक अदालत का आयोजन किया गया।

मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने डीसी और एसपी से किया हरियाणा उदय पर सीधा संवाद

अतुल्य लोकतंत्र/मुकेश बघेल

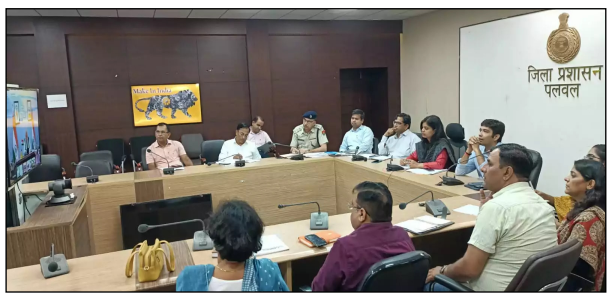

पलवल। हरियाणा उदय आउटरीच कार्यक्रम जनता से शासन-प्रशासन का सीधा जुड़ाव करने का सशक्त माध्यम बन रहा है। जन संवाद के साथ लोगों की समस्याओं का निराकरण करते हुए विभिन्न गतिविधियों में जनभागीदारी को साथ लेकर प्रशासन सुखद माहौल की परिकल्पना को साकार करने में अपना दायित्व निभा रहा है। गुरुवार को मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल के समक्ष वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से हरियाणा उदय आउटरीच कार्यक्रम को लेकर आयोजित गतिविधियों बारे विस्तार से जानकारी दे रहे थे। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन द्वारा इस कार्यक्रम को लेकर निभाई जा रही जिम्मेदारी पर उनकी कार्यशैली को सराहनीय बताया। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए । बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त डा. आनंद शर्मा,सीईओ जिला परिषद जितेन्द्र कुमार, नगराधीश द्विजा, उप पुलिस अधीक्षक विजयपाल,जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी उपमा अरोड़ा,जिला सिविल सर्जन डा. लोकवीर, जिला शिक्षा अधिकारी अशोक बघेल,जिला खेल अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहे। आमजन के साथ व्यवहारकुशल माहौल बनाते हुए जन समस्याओं का निराकरण करने के साथ-साथ हर वर्ग से सीधा जुड़ाव विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों से किया जाए। उन्होंने जिला प्रशासन के समस्त विभागाध्यक्षों व उनकी टीम को एक माह के अंतराल में हरियाणा उदय आउटरीच कार्यक्रम को सफल बनाने में दिए गए सहयोग पर प्रोत्साहित भी किया। आउटरीच कार्यक्रम के अंतर्गत आमजन की सहभागिता के साथ तालाबों की सफाई करने व परिवार की खुशी के अवसर पर सरोवर पूजन करने सहित पर्यावरण संरक्षण के तहत पौधारोपण करने, सामाजिक कुरीतियों के विरूद्ध लोगों को जागरूक करने, युवा शक्ति को सामाजिक रूप से अपनी जिम्मेवारी निभाने के लिए प्रेरित करने, स्वच्छता अपनाने, जल संरक्षण, कैरियर गाइडलाइन्स, वरिष्ठ नागरिकों को हर संभव सहयोग दिए जाने के साथ ही विभिन्न खेल एवं अन्य जागरूकता गतिविधियों व राहगीरी का आयोजन करते हुए अधिक से अधिक लोगों को जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि बारिश का मौसम है, इसको देखते हुए जहां-जहां पर भी पानी निकासी की समस्या आ रही है, वहां पर पानी की निकासी की समस्या का तुरंत समाधान किया जाए तथा जहां-जहां पानी निकासी की समस्या आती है उन स्थानों की सूची भी बनाई जाए। मुख्यमंत्री ने प्रॉपर्टी आईडी के बारे में कहा कि जब तक हर नागरिक की प्रॉपर्टी आईडी से सम्बन्धित समस्या का समाधान ना हो तब तक हर सप्ताह शिविर आयोजित किए जाए। इन शिविरों में दस्तावेजों के आधार पर समस्या का समाधान किया जाए। मुख्यमंत्री ने फैमिली आईडी के बारे में अधिकारियों को कहा कि जिले में एडीसी इसके नोडल अधिकारी है, फैमिली आईडी से सम्बन्धित सभी समस्याओं का हल किया जाए।

वरिष्ठ उपमहापौर देवेंद्र चौधरी के जन्मदिन को युवा भाजपा नेता प्रवीण चंदीला ने कार्यकर्ताओं के संग 11 किलो का केक काटकर मनाया

जन्मदिन पर देवेंद्र चौधरी बोले मोदी-मनोहर ने विकास के मामले में बदली देश-प्रदेश की तस्वीर

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। नगर निगम के निवर्तमान वरिष्ठ उपमहापौर देवेंद्र चौधरी के जन्मदिवस पर युवा भाजपा नेता प्रवीण चौधरी ने अपने साथियों के साथ मिलकर सेक्टर-28 स्थित कार्यालय पहुंचकर श्री चौधरी को बड़ी फुलों की माला पहनाकर जन्मदिवस की शुभकामनाएं दी। इस दौरान प्रवीण चंदीला के नेतृत्व में युवा कार्यकर्ताओं ने 11 किलो का केक काटकर देवेंद्र चौधरी का मुंह मीठा कराया और उनकी दीर्घायु की कामना की। इस मौके पर भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए देवेंद्र चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने विकास के मामले में देश व प्रदेश की तस्वीर बदल दी है और पिछले नौ सालों में जितना विकास देश व प्रदेश का हुआ है, उतना विकास 70 सालों में कभी नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि आज सरकार की योजनाओं का लाभ आखिरी छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है और यही प्रधानमंत्री जी की सोच थी और उन्होंने जनता से किए अपने हर वायदे को पूरा किया है। आज पूरे विश्व में भारत का डंका बज रहा है, हर देश प्रधानमंत्री मोदी जी की दूरगामी सोच व व्यक्तित्व का समर्थन कर रहा है। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वह चुनावी मूड में आए जाए और नौ सालों में केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा किए गए विकास का ब्यौरा जन-जन तक पहुंचाएं ताकि लगातार तीसरी बार देश व प्रदेश में भाजपा जीत की हैट्रिक लगा सके। इस अवसर पर युवा भाजपा नेता प्रवीण चंदीला ने वरिष्ठ उपमहापौर देवेंद्र चौधरी को विश्वास दिलाया कि भाजपा का युवा कार्यकर्ता पूरी तरह से सरकार की जनहितैषी नीतियों को लेकर जन-जन में प्रचार प्रसार कर रहा है और एक बार फिर देश, प्रदेश व फरीदाबाद में भाजपा बहुमत से विजयी होगी। इस मौके पर अनिल पहलवान,धीरज अधाना, रोहित छाबड़ी, ललित छाबड़ी,विनोद भाटी, प्रवीन चंदीला, मोहित नागर, शैंकी नागर, सतपाल बैसला,मुकेश पंडत,राजू तोमर लीखी,शिवकेश भाटी,प्रवीण भड़ाना,बंटी ठाकुर, अमित चौधरी, राकेश कम्बोज, मन्नु तिवारी, पराग तलवार सहित अनेकों भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

कुत्ता काटने की शिकायत करने पहुंचे, मालिकों ने लाठी-डंडों से की पिटाई, तीन पहुंचे अस्पताल

फरीदाबाद। फरीदाबाद नवीन नगर में कुत्ते के काटने पर हुए झगड़े ने तीन लोगों को ट्रॉमा सेंटर पहुंचा दिया। कुत्ते के मालिक ने साथियों के साथ उनके ऊपर लाठी डंडों से हमला किया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विनय नगर के रहने वाले दीनानाथ विश्वशर्मा ने पुलिस को बताया कि पड़ोस में रहने वाले अमरनाथ के पालतू कुत्ते ने उसके भाई विकास को काट लिया था। वह भाई विकास और भांजे राज को साथ लेकर अमरनाथ के घर गया। उससे विकास की मरहम पट्टी कराने के लिए कहा। इस पर अमरनाथ, उसकी पत्नी और बेटा गाली-गलौज करने लगे। बात बढ़ती देख दीनानाथ अपने भाई और भांजे को लेकर वहां से आ गया। उसने अपने भाई की मरहम पट्टी कराई और टीका लगवाया। रात करीब साढ़े दस बजे उसने गली के बाहर शोर सुना तो वह घर से बाहर निकला। उसने देखा कि अमरनाथ 10-12 लोगों के साथ विकास को पीट रहे थे। उनके हाथों में लाठी-डंडे थे।

एनएसएस वालंटियर देवराज की लोगो से अपील

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। फ़रीदाबाद के युवा समाज सेवी देवराज मित्तल ने ऐसी मिसाल पेश की है जिससे पता लगता है की एक एनएसएस वॉलंटियर कैसे दुसरो से अलग है। देवराज मित्तल आपको अक्सर फ़रीदाबाद की किसी ना किसी सड़क पर एक अलग ही संदेश लेकर दिखाई देंगे जहां लिखा होता है ÷्ष्ट कार में बैठकर ठेला- रिक्शा चलाने वाले व्यक्ति को बार बार हॉर्न देने से पहले याद रखिए की 45 डिग्री में जलती सड़क से हट जाने की जल्दी उन्हें आपसे ज़्यादा है÷। आस पास खड़े कुछ लोगो से जब बात की तो कुछ लोगो ने बताया आज देश का एक युवा एनएसएस स्वयं सेवक इतनी अच्छी सोच रखता है इसकी उन्हें बहुत खुशी है। देवराज मित्तल ने बताया की वे राजकीय महाविद्यालय फ़रीदाबाद की संध्या महाविद्यालय में बीए तृतीय वर्ष के छात्र है व एनएसएस यूनिट थर्ड के स्वयं सेवक है। वे चाहते है की लोग ग़रीब लोगो को स्नेह की दृष्टि से देखे और उन्हें भी सम्मान दें इसलिए उन्होंने ये अपील की है। इस बारे में जब एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ दुर्गेश शर्मा से बात हुई तो उन्होंने बताया की हमारे सभी वॉलंटियर्स कुछ अच्छा करने में सक्षम है।

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के आंदोलन की कड़ी मे कर्मचारियों विधायक माननीय सीमा त्रिखा व विधायक नीरज कुमार शर्मा कों सोंपा मांगपत्र

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के जिला प्रधान करतार सिंह सचिव युद्धवीर सिंह खत्री,वरिष्ठ उपप्रधान बलबीर बालगुहेर, नगरपालिका कर्मचारी संघ के राज्य उपमहासचिव सुनील चिंडालिया, निगम सफाई कर्मचारी यूनियन के जिला प्रधान गुरचणसिंह खाडिया,ब्लाक फरीदाबाद के प्रधान अनूप चिंडालिया,जिला की नेतृत्व मे सैकड़ो कर्मचारियो ने फरीदाबाद मे हो रही भारी बारिश की प्रवाह न करते हुए राज्य आन्दोलन की कड़ी मे कर्मचारियो का मांगपत्र बड़खल हल्के की विधायक माननीय सीमा त्रिखा व एन.आई.टी.फरीदाबाद के काग्रेस विधायक नीरज कुमार शर्मा को ज्ञापन देकर मांगपत्र पर समर्थन मांगा कर इसको चुनाव घोषणापत्र मे शामिल करने के लिए कहा।उनके साथ जिला संगठन सचिव मुकेश बेनीवाल, ब्लॉक सचिव गिरीश राजपूत, कार्यालय सचिव सोनू उपस्थित थे।नीरज शर्मा ने समर्थन करते हुए विधान सभा मे मुद्दा उठाने का वादा किया।जबकि माननीय सीमा त्रिखा ने मुख्यमन्त्री से वार्ता कर समाधान की बात कही है। मुख्य मांग जो मांगपत्र मे शामिल है। पीएफआरडीए कानून रद्द कर ओपीएस बहाल करो। आउटसोर्सिंग संविदाकर्मियो को नियमित करो।नियमित करने तक समान काम समान वेतनमान दो।,राज्य सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के विभाग मे खाली पदो को पक्की भर्ती से भरो,सार्वजनिक उपक्रमो का निजीकरण बंद करो।आठवे वेतन आयोग का गठन करो। 18 महीने का बकाया डीए का भुगतान करो। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को वापस लो।मृतक कर्मचारी के आश्रित को नौकरी दो।ट्रेड यूनियन एवम लोकतान्त्रिक अधिकारी पर हमलो पर रोक लगाओ।

डिब्बाबंद और जंक फूड भोजन शरीर के लिए नुकसानदायक : डॉ. राकेश कुमार

बोन एंड ज्वाइंट दिवस पखवाड़े में डॉक्टर ने मरीजों को दी जानकारी

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। ग्रेटर फरीदाबाद स्थित एकॉर्ड अस्पताल में बोन एंड ज्वाइंट दिवस पखवाड़े का आयोजन किया गया। जिसमें लोगों को हड्डी रोगों के प्रति जागरूक किया गया। इस मौके पर मरीजों के लिए जांच प्रक्रिया में 30 प्रतिशत की विशेष छूट की पेशकश की गई। एकॉर्ड अस्पताल के आर्थोपेडिक सर्जरी डिपार्टमेंट के डायरेक्ट एंड वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. राकेश कुमार ने बताया कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी की वजह से ज्यादातर लोगों के लिए डिब्बाबंद और जंक फूड भोजन का सबसे पसंदीदा विकल्प बन गया है। यह सेहत के लिए नुकसानदेह विकल्पों में से एक है। इस तरह का भोजन हमारी रोग प्रतिरोधक प्रणाली (इम्यून सिस्टम) के साथ-साथ हड्डियों को भी नुकसान पहुंचाता है और उन्हें कमजोर कर देता है। उन्होंने कहा कि हड्डियों को कमजोर और बेहद नाजुक बनाने में सोडियम तथा चीनी युक्त भोजन का भी योगदान होता है। जरूरत से ज्यादा नमक के सेवन से कैल्शियम का उत्सर्जन तेज होता है, जो सीधे तौर पर हड्डियों में खनिज तत्वों के घनत्व में कमी से जुड़ा होता है। इसी तरह, बहुत ज्यादा तले हुए स्नैक्स भी सूजन और जलन को बढ़ाने वाले होते हैं जो संभावित रूप से हड्डियों की सेहत पर बुरा असर डाल सकते हैं। अल्कोहल के साथ किसी भी तरह के खाद्य पदार्थ का सेवन करने से उसमें मौजूद खनिज और पोषक तत्व अवशोषित नहीं होते हैं, क्योंकि अल्कोहल कैल्शियम के अवशोषण में रुकावट डालता है। बिना अल्कोहल वाले पेय पदार्थ भी कार्बोनेटेड होते हैं और इनमें फिज होता है, जिससे बड़ी मात्रा में कैल्शियम शरीर से बाहर निकल जाता है और इसकी वजह से हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। डॉ. राकेश कुमार ने बताया कि हड्डियों की सेहत के लिए पोषक तत्वों, खास तौर पर कैल्शियम और विटामिन-डी की जरूरत होती है। ये हमारे शरीर को स्थिरता प्रदान करने के साथ-साथ शरीर के सभी मुख्य अंगों के लिए सुरक्षा कवच की तरह काम करते हैं।

देश की बागडोर प्रधानमंत्री मोदी के हाथों में सुरक्षित: मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर

केंद्रीय राज्यमंत्री ने सेक्टर-55 में एक करोड़ 80 लाख की लागत से होने वाले विकास कार्यों का किया उद्घाटन/शिलान्यास

अतुल्य लोकतंत्र/दीपक कुमार शर्मा

फरीदाबाद। प्रधानमंत्री मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कुशल नेतृत्व में देश, प्रदेश सहित फरीदाबाद में पिछले 09 सालों में अभूतपूर्व परिवर्तन हुए हैं। भारत सरकार के ऊर्जा एवं भारी उद्योग विभाग के केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने बीती देर शाम सेक्टर-55 में के वार्ड नंबर-1 में पार्षद मुकेश डागर और प्रदीप राणा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर उपस्थिति को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इन विकास कार्यों में 19 लाख 87 हजार की लागत से मदरसे वाली गली राजीव कॉलोनी में 300द्वद्व स्नद्बद्ध. सीवर लाईन व इंटरलॉकिंग टाईल्स, 04 लाख 73 हजार की लागत से सेक्टर 55 सामुदिक भवन के सामने वेंडिंग जोन के पास पब्लिक टॉयलेट बनाना, 10 लाख 87 हजार की लागत से झासेंतली गाँव में बारातघर व सामुदायिक भवन की मरम्मत व टॉयलेट बनाना, 31 लाख की लागत से राजीव कॉलोनी वाटर टैंक से अटल पार्क तक इंटरलॉकिंग लाईल्स की सड़क बनाना, 20 लाख 61 हजार की लागत से पटवारी फार्म कृष्णा कॉलोनी में 100mm PVC पानी की 7 लाईन डालना व गली न0 06 से 08 कृष्णा कॉलोनी में इंटरलॉकिंग टाईल्स लगाना, 26 लाख 27 हजार की लागत से राजीव कॉलोनी सरकारी स्कूल के पास सामुदायिक भवन का नवनिर्माण करना, 50 लाख की लागत से सेक्टर 55 में ग्रीन बेल्ट का विकास करना, 16 लाख की लागत से ओम वैली राजीव कॉलोनी रोड को RMC M-35 का बनाना कुल मिलकर एक करोड़ 80 लाख की लागत से होने वाले विकास कार्यों का उद्घाटन/शिलान्यास किया। केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने उद्घाटन एवं शिलान्यास समारोह में आए सभी लोगों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि विकास के कार्यों के लिए सरकार के पास धन की कोई कमी नहीं है। आने वाले समय में इस क्षेत्र के लिए लगभग पांच करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों के लिए एस्टीमेट पास करवाए गए हैं। जल्द ही इन पर भी काम शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश को नई दिशा मिली है। भारत दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन गया है और 2027 में दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति होगा। मोदी जी कहते है कि देश आगे तभी बढ़ेगा जब देश को आगे बढ़ाने की सोच के साथ कार्य होंगे और विपक्ष के लिए तो परिवार प्रथम है उन्होंने न देश को आगे बढ़ाया न देश की प्रतिष्ठा को। जब अमेरिका का राष्ट्रपति जो बाइडेन मोदी जी से उनके ऑटोग्राफ मांगता है।ऑस्ट्रेलिया का राष्ट्रपति कहता है मोदी बॉस और दुनिया के इतिहास में हमने यह पल आज तक नहीं देखा कि किसी दूसरे देश के प्रधानमंत्री ने किसी दूसरे देश के प्रधानमंत्री के पैरों को हाथ लगाया हो। इटली की प्रधानमंत्री कहती है मोदी से ज्यादा लोकप्रिय नेता कोई नहीं तो यह सब सुनकर हम देशवासियों का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। आज मोदी जी ग्लोबल लीडर बन गए है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने मोदी जी के कार्यों की प्रशंसा की लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि विपक्ष दूसरे देशों में जाकर मोदी जी और देश को बदनाम कर रहा है। 2014 से पहले हम 8 लाख करोड़ के मोबाइल आयत करते थे और आज तीन लाख करोड़ के मोबाइल हम दुनिया को निर्यात करते है। बच्चों के खेलने वाले खिलौने साड़ी दुनिया के देशों से आते थे और आज हमारा भारत देश दुनिया के देशो को बेचता है। हमने इंग्लैंड और ब्राजील जैसे देशो को पीछे इसलिए छोड़ा की मोदी जी ने जमीन पर कुछ करके दिखाया। हर सेक्टर में आगे बढ़ाया। 2014 से पहले मोबाइल का इंटरनेट 20 जीबी डाटा पांच से छह हजार रुपये में आता था और आज सिर्फ पांच सौ से छह सौ रुपये खर्च करते पड़ते है। हर भारतीय के मोबाइल का पांच से छह हजार का महीने का खर्चा मोदी जी ने बचाया। 2014 से पहले देश में सिर्फ 74 एयरपोर्ट थे और अब इन 9 सालों में 74 और नए एयरपोर्ट बनाए गए हैं। पिछले 70 सालों में रेलवे का इलेक्ट्रिफिकेशन 20,000 किलोमीटर और आज इन नौ सालों में बढ़कर 40,000 किलोमीटर हो गया।